आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

■ रायपुर, शनिवार, 3 जनवरी 2026 ■ पौष शुक्ल पक्ष-13 ■ वर्ष- 41 ■ अंक-275 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 4 जनवरी 2026 ■ मूल्य 2.00 रु.

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

छत्तीसगढ़ में दो जगह मुठभेड़, 14 नक्सली ढेर

सुकमा, 3 जनवरी। छत्तीसगढ़ में आज सुबह दो अलग-अलग इलाकों में मुठभेड़ हुई, जिसमें सुरक्षा बलों ने कुल 14 नक्सलियों को मार गिराया। बीजापुर नक्सल एनकाउंटर में टॉप कमांडर समेत 6 माओवादी ढेर हो गए हैं। इनसे भारी मात्रा में हथियार बरामद किया है।

सुकमा में 12 नक्सली ढेर: सुकमा जिले के किस्टाराम इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें 12 नक्सली मारे गए। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

बीजापुर में डीआरजी की कार्रवाई: बीजापुर जिले में माओवादियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना के बाद डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। शनिवार तड़के नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ छिड़ गई। सुबह करीब 5 बजे से रुक-रुककर गोलीबारी होती रही। मुठभेड़ स्थल से दो नक्सलियों के शव और हथियार बरामद।

सर्च ऑपरेशन जारी: बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। सुरक्षा कारणों से मुठभेड़ के सटीक स्थान और ऑपरेशन में शामिल जवानों की संख्या सार्वजनिक नहीं की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, ऑपरेशन पूरा होने के बाद आधिकारिक जानकारी जारी की जाएगी।

8 दिन पहले ढेर हुआ था 1 करोड़ का इनामी: गौरतलब है कि 25 दिसंबर को ओडिशा के कंधमाल जिले में हुए एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने 6 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें नक्सली संगठन का सेंट्रल कमेटी मेंबर और 1 करोड़ से ज्यादा का इनामी गणेश उईके (69) भी शामिल था। इस मुठभेड़ में दो महिला नक्सली भी मारी गई थीं।

23 टीमों ने चलाया था संयुक्त ऑपरेशन: सुरक्षाबलों को कंधमाल के चाकापाड़ इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद बड़े पैमाने पर ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें शामिल थीं– 20 स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप टीमें, 2 सीआरपीएफ टीमें, 1 बीएसएफटीम।

ऑपरेशन कंधमाल के चाकापाड़ थाना क्षेत्र और गंजाम जिले के राम्भा वन क्षेत्र तक फैला था। मुठभेड़ के बाद सर्चिंग में 2 इंसास राइफल और एक 303 राइफल बरामद की गई थी।

नक्सल नेटवर्क पर लगातार दबाव : लगातार हो रहे सरेंडर और एनकाउंटर से साफ है कि छत्तीसगढ़, ओडिशा और तेलंगाना में नक्सल नेटवर्क पर दबाव बढ़ता जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां इसे नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक चरण की शुरुआत मान रही हैं।

हिड़मा के करीबी नक्सली कमांडर बारसे देवा का सरेंडर

सुकमा। नए साल की शुरुआत में लाल आतंक को बड़ा झटका लगा है। शीर्ष नक्सली हिड़मा के करीबी और पीएलजीए कमांडर बारसे देवा ने आज तेलंगाना पुलिस के

सामने आत्मसमर्पण कर दिया। बारसे देवा पर 50 लाख रुपये से अधिक का इनाम घोषित था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बारसे देवा ने हैदराबाद में तेलंगाना पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने सरेंडर किया। उसके आत्मसमर्पण की सूचना एक दिन पहले ही मिल गई थी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर थीं। बारसे देवा को नक्सली संगठन के भीतर एक अहम रणनीतिक चेहरा माना जाता था। हिड़मा के एनकाउंटर के बाद उसे पीएलजीए का कमांडर बनाया गया था। इसके बाद से वह संगठन की सैन्य गतिविधियों और हथियारों की सप्लाई में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। देवा नक्सलियों की सबसे खतरनाक मानी जाने वाली बटालियन नंबर-1 का कमांडर था। दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिलों में इस बटालियन का खासा प्रभाव रहा है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि उसके सरेंडर से नक्सल नेटवर्क को बड़ा नुकसान पहुंचेगा।

यह अच्छा संकेत है : शर्मा

रायपुर। नक्सली कमांडर बारसे देवा के समर्पण पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारी कोशिश थी कि छत्तीसगढ़ में पुर्नवास हो, लेकिन तेलंगाना में हो रहा है, यह भी ठीक है. छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से लगातार दबाव बनाया जा रहा था. अब मन परिवर्तन के बाद आज वह औपचारिक रूप से सरेंडर करेगा. सब कुछ मार्च 26 के लक्ष्य के तहत हो रहा है. देश से नक्सलवाद रूपी नासूर समाप्त हो रहा है. कर्मयोगी अभियान और जनजातीय विकास पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मयोगी अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के कई जनजातीय बहुल गांवों का चयन हुआ है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार इन क्षेत्रों के विकास के लिए काम कर रहे हैं. प्रदेश में करीब ढाई लाख की आबादी वाले इलाकों में सड़क, अस्पताल, एम्बुलेंस जैसी सुविधाएं पहुंचाई जा रही है. पीएम जनमन योजना समेत अन्य योजनाओं से पिछड़े इलाकों को मुख्यधारा में लाया जा रहा है.

चैतन्य की जमानत पर कसा तंज

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इसके साथ चैतन्य बघेल की जमानत पर भूपेश बघेल पर तंज कसते हुए कहा कि देश की संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा रखना चाहिए. चाहे न्यायालय हो या चुनाव आयोग. सभी पर विश्वास जरूरी है. यह पूरी तरह न्यायिक प्रक्रिया का विषय है.

मार्च 2026 की डेडलाइन, अब तक 500 से अधिक ढेर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा देश से नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मार्च 2026 की समय सीमा तय किए जाने के बाद से सुरक्षाबलों के ऑपरेशनों में जबरदस्त तेजी आई है। आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में छत्तीसगढ़ में कुल 503 नक्सली मारे जा चुके हैं। 2025 में 284 नक्सली ढेर हुए हैं, जिनमें से 255 अकेले बस्तर क्षेत्र के हैं। 2024 में राज्य में कुल 219 नक्सली मारे गए थे।

मुठभेड़ में बड़े-बड़े कमांडर ढेर

सुरक्षाबलों की इस आक्रामक कार्रवाई ने प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) की कमर तोड़ दी है। छत्तीसगढ़ में अब यह संगठन लगभग 'बिना सिर' का हो गया है। महासचिव नंबला केशव राव उर्फ ??बसवाराजू और सैन्य नेता माड़वी हिड़मा समेत 9 सेंट्रल कमेटी सदस्य मुठभेड़ों में मारे जा चुके हैं। संगठन के पास अब केवल तीन सीसी सदस्य बचे हैं, जिनमें से गणेश उइके ओडिशा में और अनलदा झारखंड में सक्रिय हैं। मल्लरजी रेड्डी राज्य से बाहर हैं। प्रमुख नेता देवजी और गणपति राज्य छोड़ चुके हैं, जबकि वेणुगोपाल राव और पुल्लुरी प्रसाद राव जैसे नेताओं ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। सुकमा और बीजापुर के जंगलों में सीआरपीएफऔर डीआरजी का साझा सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। अधिकारियों का कहना है कि यह इस साल की पहली बड़ी सफलता है जो भविष्य के ऑपरेशनों के लिए सुरक्षाबलों का मनोबल बढ़ाएगी।

बड़े बिल्डर पर रेरा ने लगाया 10 लाख रुपये का जुर्माना

रायपुर, 3 जनवरी। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने रायपुर स्थित 'वॉलफ्रेट एलेन्सिया' परियोजना के प्रमोटर के विरुद्ध कड़ा कदम उठाते हुए छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट (विनियमन व विकास) अधिनियम, 2016 के अंतर्गत 10 लाख रुपए का आर्थिक दंड अधिरोपित किया है. प्रकरण की सुनवाई के दौरान यह पाया गया कि परियोजना में विकास कार्य नगर तथा ग्राम निवेश विभाग द्वारा स्वीकृत ले-आउट के अनुरूप नहीं किया गया.

स्वीकृत ले-आउट से हटकर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया गया, जो रेरा अधिनियम की धारा 14 (1) का स्पष्ट उल्लंघन है. इस धारा के अनुसार किसी भी रियल एस्टेट परियोजना का विकास सक्षम प्राधिकरणों द्वारा अनुमोदित रेखांकन, ले-आउट व विनिर्देशों के अनुसार ही किया जाना अनिवार्य है.

प्राधिकरण ने यह भी संज्ञान में लिया कि वर्तमान में उक्त एसटीपी का उपयोग परियोजना के आबंटितियों द्वारा किया जा रहा है. आवंटितियों के हितों और सार्वजनिक उपयोग को प्रभावित न करने के उद्देश्य से इस स्तर पर एसटीपी को ध्वस्त करने अथवा पुनर्निर्माण संबंधी कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है. हालांकि स्वीकृत लेआउट से किए गए इस विचलन को गंभीर उल्लंघन मानते हुए प्राधिकरण ने प्रमोटर को उत्तरदायी ठहराया है और रेरा अधिनियम की धारा 14(1) के उल्लंघन पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है. छत्तीसगढ़ रेरा ने दोहराया कि स्वीकृत लेआउट अथवा योजनाओं से बिना सक्षम प्राधिकरण की पूर्व स्वीकृति के किया गया कोई भी परिवर्तन गंभीर उल्लंघन की श्रेणी में आता है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी.

संक्षेप

इलाज के दौरान युवक की मौत, शव रखकर चक्काजाम

जांजगीर-चांपा, 3 जनवरी। जांजगीर-चांपा से इस वक्त बड़ी खबर सामने आई है, जहां जांजगीर के नेताजी चौक में परिजनों ने शव सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया है। मामला नेताजी फर्नीचर से जुड़ा है, जहां काम के दौरान सीढ़ी से फिसलने पर युवक हरिचरण प्रधान के पैर में फ्रैक्चर हो गया था। घायल युवक को इलाज के लिए नायक नर्सिंग होम, चांपा में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया और वे फर्नीचर संचालक से मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन पर उतर आए। चक्का जाम के चलते नेताजी चौक पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाइश देने का प्रयास कर रही है। मृतक युवक जांजगीर थाना क्षेत्र के खोखसा गांव का निवासी बताया जा रहा है। फिलहाल इलाके में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं और पुलिस स्थिति को नियंत्रण में रखने में जुटी हुई है।

दक्षिणी ब्राजील में बस-ट्रक की टक्कर, 11 की मौत

रियो-द-जेनेरियो, 3 जनवरी। दक्षिणी ब्राजील में शुक्रवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। एक यात्री बस और रेत से भरे ट्रक की आमने-सामने टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा ब्राजील के दक्षिणी राज्य रियो ग्रांडे डो सुल में एक संघीय राजमार्ग पर हुआ। रॉयटर्स के मुताबिक, दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:30 बजे हुई। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक में भरी रेत बस के अंदर तक घुस गई। इससे बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालना बेहद मुश्किल हो गया। हादसे के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और लंबा जाम लग गया। फेडरल हाईवे पुलिस ने बताया कि बस के अंदर रेत भर जाने से बचाव कार्य में काफी परेशानी हुई। बस का ढांचा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। आपातकालीन सेवाओं को यात्रियों तक पहुंचने में कई घंटे लग गए।

हिंदू युवक आत्महत्या मामले में सोहेल खान गिरफ्तार

बिलासपुर, 3 जनवरी। छत्तीसगढ़ के न्यायधानी के कोतवाली थाना क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है,

जहां ग्रैंड न्यूज़ की खबर का असर साफतौर पर देखने को मिला है। हिंदू युवक नरेश साहू के साथ मारपीट, धमकी और लगातार प्रताड़ना और आत्महत्या करने के मामले को ग्रैंड न्यूज़ ने प्रमुखता से उठाते हुए आरोपी सोहेल ख़ान का नाम उजागर किया था। खबर के प्रसारित होते ही मामला गरमा गया, हिंदू संगठनों का आक्रोश बढ़ा और पुलिस पर त्वरित कार्रवाई का दबाव बना। इसी दबाव के बीच पुलिस ने तेजी दिखाते हुए फरार चल रहे आरोपी सोहेल ख़ान को कुछ ही देर में गिरफ्तार कर लिया।

हेलमेट पर फिलिस्तीनी झंडा लगाने पर विवाद

श्रीनगर, 3 जनवरी। जम्मू-कश्मीर में एक निजी लीग मैच के दौरान एक क्रिकेटर ने अपने झंडे पर फिलिस्तीन का झंडा लगा था जिसने सभी का ध्यान खींचा और एक बड़े विवाद की वजह बन गया। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। पुलिस के इस कदम की पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन जल्द ही आजाद होगा। जम्मू कश्मीर पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें कथित तौर पर क्रिकेटर फुरकान उल हक जम्मू शहर के बाहरी इलाके केसी डोर, मुठी में क्रिकेट खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं और उनके हेलमेट पर फिलिस्तीन का लोगो लगा हुआ है। आगे की जांच के लिए प्रथम दृष्टया मामला बनता है या नहीं, यह निर्धारित करने के लिए जांच 14 दिनों के भीतर पूरी करनी होगी। इस प्रावधान का उद्देश्य जांच प्रक्रिया की दक्षता बढ़ाना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि पुलिस मनमानी न करें। सोशल मीडिया पर इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए पीडीपी अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एक पोस्ट में कहा कि नदी से लेकर समुद्र तक, फिलिस्तीन स्वतंत्र होगा। हवा में लहराता झंडा, साहसी और स्वतंत्र, नदी से लेकर समुद्र तक। उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ फिलिस्तीनी झंडे की एक तस्वीर भी अटैच की।

छत्तीसगढ़ में आगामी तीन दिनों में पड़ेगी कड़ाके की ठंड

रायपुर, 3 जनवरी। छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों में पड़ेगी कड़ाके की ठंड पारा और गिरने से तापमान में गिरावट आएगी। मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ में लगातार मौसम में बदलाव दिख रहा है। अगले 24 घंटों के बाद तीन दिन तक कड़ाके की ठंड मैदानी क्षेत्रों में पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 से तीन डिग्री सेलसियस तापमान में गिरावट तर्ज होने की संभावना है। प्रदेश के कुछ इलाकों में गहरे कोहरे के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना जताई गई है। पिछले 24 घंटो में सरगुजा का तापमान सबसे कम दर्ज किया गया है। वहीं जगदलपुर में अधिकतम तापमान दर्ज हुआ है। रायपुर में आज गहरे कोहरे के साथ के सुबह की शुरूआत हुई राजधानी में तापमान 28 डिग्री से 14 डिग्री सेलसियस दर्ज होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में कुछ इलाकों में शीत लहर की हालात भी बन सकते हैं। उत्तर और मध्य क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। वहीं पिछले 24 घंटों में सबसे कम तापमान 8.4 डिग्री सेलसियस अंबिकापुर के मैनपाट में दर्ज किया गया।

समुद्र और आकाश दोनों पर भारत की मजबूत पकड़

लक्ष्यद्वीप, 3 जनवरी। भारत की सामरिक तैयारियों को नई मजबूती देते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कार निकोबार द्वीप पर भारतीय वायुसेना के अपग्रेड रनवे का उद्घाटन किया। हम आपको बता दें कि यह रनवे अब पहले से अधिक मजबूत, विस्तृत और आधुनिक बनाया गया है, जिससे भारी लड़ाकू विमान, परिवहन विमान और निगरानी प्लेटफार्मों का संचालन निर्बाध रूप से किया जा सकेगा।

कार निकोबार एयरबेस भारत की पूर्वी समुद्री सीमा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण सैन्य केंद्र है। यह द्वीप मलक्का जलडमरूमध्य के समीप स्थित है, जो विश्व व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति की दृष्टि से सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक है। ऐसे में इस एयरबेस का सशक्तिकरण भारत की समुद्री निगरानी और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिये निर्णायक माना जा रहा है। अपग्रेड के अंतर्गत रनवे की सतह को नए सिरे से मजबूत किया गया है, एप्रन क्षेत्र का विस्तार किया गया है और परिचालन सुरक्षा

मानकों को उन्नत किया गया है। इससे वायुसेना को न केवल युद्धक अभियानों में लाभ मिलेगा बल्कि आपदा राहत और मानवीय सहायता अभियानों में भी तेजी आएगी।

सीडीएस का यह दौरा और उद्घाटन इस बात का संकेत है कि भारत अब केवल थल सीमाओं तक सीमित रक्षा नीति नहीं अपना रहा, बल्कि समुद्र और आकाश में भी अपनी निर्णायक मौजूदगी दर्ज करा रहा है। कार निकोबार एयरबेस का सशक्त होना भारत की पूर्वी दिशा में सामरिक संतुलन को मजबूती देगा। देखा जाये तो कार निकोबार का यह रनवे केवल कंक्रीट और डामर की पट्टी नहीं है। यह भारत की बदलती सैन्य सोच, बढ़ते आत्मविश्वास और स्पष्ट रणनीतिक इरादों का एलान है। यह उस भारत की तस्वीर है जो अब प्रतिक्रिया देने वाला नहीं, बल्कि पहले से तैयार रहने वाला राष्ट्र बन चुका है।

हनुमान मंदिर निर्माण स्थल को अपवित्र करने का आरोप

खैरागढ़, 3 जनवरी। जिला मुख्यालय से लगभग पांच किलोमीटर दूर ग्राम सर्रागोंदी में हिंदू आस्था से जुड़े स्थल को लेकर एक बार फिर तनाव की स्थिति बन गई है. अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा उस स्थान पर शराब की खाली बोतलें, डिस्पोज़ल प्लेट गिलास और पानी पाउच बोरी में भरकर फेंक दिए गए, जहां पीपल वृक्ष कटने के बाद हनुमान मंदिर निर्माण प्रस्तावित है. घटना सामने आते ही गांव में भारी आक्रोश फैल गया. सूचना मिलते ही ग्रामीणों के साथ विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता खैरागढ़ थाना पहुंचे. अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है.

दोषियों पर कार्रवाई की मांग : आक्रोशित लोगों ने पुलिस से मांग की कि इस कृत्य को सामान्य शरारत न मानते हुए गंभीरता से जांच की जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो.

भड़के ग्रामीणों ने थाने में की शिकायत

ग्रामीणों का कहना है कि यह स्थान अब केवल जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनकी आस्था का केंद्र बन चुका है. पहले पूजनीय पीपल वृक्ष को काटकर धार्मिक भावनाएं आहत की गईं और अब सुनियोजित तरीके से अपवित्र सामग्री फेंककर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया है.

वेनेजुएला में आपातकाल घोषित

काराकास, 3 जनवरी। वेनेजुएला की राजधानी काराकस में ताबड़तोड़ 7 धमाकों की खबर ने पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। पहला धमाका स्थानीय समय के मुताबिक रात करीब 2 बजे हुआ। राजधानी में कई धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं और शहर में धुएं के गुबार उठते देखे गए हैं। शहर के ऊपर कम ऊंचाई पर उड़ते विमानों की आवाज भी सुनाई दी। रॉयटर्स के मुताबिक, ये हमले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर किए गए। इस हमले के बाद राष्ट्रपति मदुरो ने वेनेजुएला में आपातकाल घोषित कर दिया है। वहीं हमलों के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने देश में आपातकाल घोषित कर दिया है। सरकार ने आधिकारिक बयान में अमेरिका पर कई राज्यों में आम नागरिकों और सैन्य ठिकानों पर हमले करने का आरोप लगाया है। सरकार ने कहा कि ये हमले काराकास के साथ-साथ मिरांडा, अरागुआ और ला गुएरा राज्यों में हुए। वेनेजुएला ने कहा अमेरिका पर तेल और खनिज संसाधनों पर कब्जा करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ये सफल नहीं होंगी।

कई इलाकों में बिजली गुल : समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक शहर के अलग-अलग हिस्सों में तेज आवाजें सुनी गई हैं। खबर है कि शहर का दक्षिणी इलाके में स्थित एक बड़े सैन्य अड्डे को अमेरिका ने निशाना बनाया है। इस पूरे इलाके में बिजली गुल हो गई है। धमाकों की आवाज सुनकर लोग घरों से बाहर आ गए।

फोर्टुना सैन्य अड्डे पर हमले की खबर

अल जजीरा ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि काराकास में मुख्य सैन्य अड्डे फोर्टुना के पास धमाके हुए हैं। अल जजीरा की लूसिया न्यूमैन ने कहा, फोर्टुना अहम सैन्य अड्डा है। पूरे इलाके में कई धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जिसके बाद बिजली गुल हो गई। हमें अभी तक नहीं पता कि यह धमाका कैसे हुआ। यह भी मुमकिन है कि सेना के कुछ लोगों की अंदरूनी साजिश हो, जो मादुरो को हटाना चाहते हैं।

भर्ती की मांग को लेकर गृहमंत्री से मिले सीएएफ अभ्यर्थी

रायपुर, 3 जनवरी। छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स की वर्ष 2018 की भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो सकी है. प्रतीक्षा सूची में शामिल कई अभ्यर्थी वर्षों से नौकरी का इंतजार कर रहे हैं. राजधानी रायपुर के तूता में पिछले कई दिनों से आंदोलनरत अभ्यर्थी शनिवार को लोकपर्व छेरछेरा के अवसर पर गृहमंत्री विजय शर्मा से उनके बंगले पहुंचकर मिले. बड़ी उम्मीदों के साथ पहुंचे अभ्यर्थियों को मंत्री की ओर से केवल आश्वासन मिला. मुख्यमंत्री से चर्चा कर समाधान निकालने का भरोसा दिए जाने के बाद अभ्यर्थी लौट गए.

अभ्यर्थी जितेंद्र दास का कहना है कि 2018 में निकली भर्ती प्रकिया अब तक पूरी नहीं हो पाई है. प्रतीक्षा सूची में शामिल अभ्यर्थी आज भी प्रतीक्षा ही कर रहे हैं. इस दौरान हमने तीन सरकारें देख ली. रमन सरकार, भूपेश सरकार और अब साय सरकार. हमारे हिस्से अभी भी इंतजार ही है. लेकिन हमें उम्मीद है कि गृहमंत्री विजय शर्मा इस इंतजार को खत्म कर देंगे. वहीं गृहमंत्री विजय शर्मा ने अभ्यर्थियों को यह आश्वस्त किया कि वे

इस मसले पर मुख्यमंत्री से चर्चा कर हल निकालेंगे. दरअसल, 2018 में भर्ती के लिए नोटिफिकेशन आई थी, मेरिट लिस्ट के बाद प्रत्यक्ष सूची जारी की गई थी. मेरिट लिस्ट में शामिल युवाओं की भर्ती कर ली गई. वहीं वेटिंग लिस्ट के 417 कैंडिडेट्स की भर्ती उस वक्त पद खाली नहीं होने का हवाला देकर रोक दी गई. हालांकि मेरिट लिस्ट के कई अभ्यर्थी मेडिकल में बाहर हो गए और कुछ ने नौकरी छोड़ दी. सीट खाली हुई लेकिन इस बीच सत्ता परिवर्तन हो गया.

व्यापार | **सरकार ने मांगा तेल डील का हफ्तेभर का डेटा**

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में नया मोड़

नई दिल्ली, 3 जनवरी। भारत और अमेरिका कई महीनों से ट्रेड डील पर बातचीत कर रहे हैं. अब एक बड़ा अपडेट सामने आया है. भारत सरकार ने देश की तेल रिफाइनरियों से रूस और अमेरिका से खरीदे गए कच्चे तेल का हफ्तेभर का डेटा मांगा है.

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम वॉशिंगटन के साथ एक अहम ट्रेड डील को फाइनल करने की कोशिश का हिस्सा है. माना जा रहा है कि अमेरिका को खुश करने के लिए भारत रूस से अपने तेल आयात को घटाकर 1 मिलियन बैरल प्रति दिन से कम कर सकता है. गौर करने वाली बात यह है कि ट्रंप प्रशासन ने रूस से भारत के तेल खरीदने की वजह से भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिया था. पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल ने रिफाइनरियों से यह जानकारी मांगी है. इसके पीछे मुख्य वजह कूटनीतिक मानी जा रही है. जब अमेरिका रूसी तेल आयात को लेकर सवाल उठाता है, तो सरकार सेकेंडरी सोर्स पर निर्भर रहने के बजाय अपना सत्यापित और सटीक डेटा रखना चाहती है.

अमेरिका-भारत ट्रेड वॉर और टैरिफ का दबाव

पिछले साल से भारत और अमेरिका के बीच व्यापार संबंधों में तनाव बना हुआ है. ट्रंप प्रशासन ने रूस से भारत द्वारा बड़े पैमाने पर तेल खरीदने के कारण भारतीय सामानों पर आयात शुल्क 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था. जुलाई में बातचीत उस वक्त फेल हो गई, जब भारत ने अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए अपना बाजार खोलने से इनकार कर दिया.

रूसी तेल आयात में बड़ी गिरावट

कड़े प्रतिबंधों और कूटनीतिक दबाव के चलते रूस से भारत आने वाले तेल की मात्रा में पहले ही गिरावट देखने को मिल रही है. दिसंबर 2025 में रूसी तेल आयात 1.2 मिलियन बैरल प्रति दिन रहा, जो पिछले तीन सालों में सबसे निचला स्तर है. यह जून में 2 मिलियन बैरल प्रति दिन के शिखर स्तर से करीब 40% कम है. उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले महीनों में यह आंकड़ा 1 मिलियन बैरल प्रति दिन से नीचे जा सकता है.

अमेरिकी तेल का बढ़ता हिस्सा

भारत अब रूस के विकल्प के तौर पर अमेरिका की ओर रुख कर रहा है. केपलर के डेटा के अनुसार, 2025 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में अमेरिका का हिस्सा 6.6 प्रतिशत था, जबकि रूस का हिस्सा 35 प्रतिशत रहा. संभावित ट्रेड डील के तहत भारत, अमेरिका के साथ अपने ट्रेड डेफिसिट को कम करने के लिए अमेरिकी कच्चे तेल और गैस की खरीद बढ़ाने पर भी विचार कर रहा है.

छत्तीसगढ़ में एक और तेंदुए की मौत

डोंगरगढ़, 3 जनवरी। डोंगरगढ़ और खैरागढ़ के बीच स्थित वन क्षेत्र में शुक्रवार को एक बार फिर तेंदुए की मौतने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं. ताजा मामला डोंगरगढ़ वन परिक्षेत्र अंतर्गत रानीगंज क्षेत्र का है, जहां एक तेंदुआ मृत अवस्था में मिला. यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि बीते कुछ समय से इसी वन क्षेत्र में लगातार तेंदुओं की मौत की घटनाएं सामने आ रही हैं, इसके बावजूद वन विभाग का रवैया ढुलमुल और गैर-जिम्मेदाराना नजर आ रहा है.

वन विभाग के अनुसार मृत तेंदुए का डॉक्टरों की टीम से पोस्टमार्टम कराया गया और बाद में दाह संस्कार की प्रक्रिया भी पूरी कर दी गई. विभागीय दावा है कि तेंदुए को इंटरनल इंज्यूरी थी और उसकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है. इस संबंध में डीएफओ आयुष जैन ने भी इसे प्राकृतिक मृत्यु बताया है. लेकिन जिस तरह से पोस्टमार्टम और दाह संस्कार की कार्रवाई बिना व्यापक जानकारी सार्वजनिक किए की गई, उसने पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया है. सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि मौत प्राकृतिक है, तो फिर डोंगरगढ़ खैरागढ़ के इसी बेल्ट में बार-बार तेंदुओं की जान क्यों जा रही है? क्या यह महज संयोग है या फिर इसके पीछे वन विभाग की कमजोर निगरानी, लचर गश्त और समय पर कार्रवाई न करना जिम्मेदार है? इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए यह तथ्य भी अहम है कि छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट पहले ही तेंदुए और अन्य वन्यजीवों की संदिग्ध मौतों पर संज्ञान ले चुका है. हाईकोर्ट ने पूर्व के मामलों में अवैध शिकार और वन्यजीव सुरक्षा में चूक को लेकर वन विभाग से जवाब तलब किया था।

वन विभाग के ढुलमुल रवैये पर उठे गंभीर सवाल, हाईकोर्ट पहले ही ले चुका है संज्ञान

साहू संघ ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन ,पूर्व सीएम बघेल के बयान पर जताई कड़ी आपत्ति

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,3 जनवरी। जिला साहू संघ कबीरधाम (छत्तीसगढ़) ने पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा साहू समाज के गौरव एवं छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव के विरुद्ध दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान के विरोध में पुलिस अधीक्षक, कबीरधाम को ज्ञापन सौंपा। संघ ने इस बयान को अमर्यादित, निंदनीय एवं साहू समाज की भावनाओं को आहत करने वाला बताया है। जिला साहू संघ के अध्यक्ष धरमराज साहू ने कहा कि सार्वजनिक मंच से की गई इस प्रकार की टिप्पणी से संपूर्ण साहू समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने स्पष्ट किया कि साहू समाज अपने सम्मान, गरिमा और सामाजिक एकता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। संघ की सर्वसम्मत मांग है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने बयान को आगामी 10 दिनों के भीतर सार्वजनिक रूप से वापस लें तथा स्पष्ट शब्दों में समाज से क्षमा याचना करें।

संघ ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर बयान वापस नहीं लिया गया तो साहू समाज लोकतांत्रिक, संगठित एवं चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए विवश होगा। इस संबंध में जिला प्रशासन से उचित एवं आवश्यक कानूनी कार्यवाही करने की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला साहू संघ के पूर्व अध्यक्ष श पतिराम साहू, जिला उपाध्यक्ष श्री कौशल साहू, श्रीमती मनीषा साहू, संगठन सचिव लोकचंद साहू, पूर्व महामंत्री धर्मराज साहू, बालाराम साहू, श्रीमती सीमा साहू, मनीराम साहू, तहसील अध्यक्ष श्रवण साहू, महामंत्री श्री सुदर्शन साहू, लालचंद साहू, भागबली साहू, गुलाब साहू, हंसा राम साहू,अनुज साहू, युवा अध्यक्ष खिलेश्वर साहू, कृष्णा साहू, अश्वन साहू,मीनू राम साहू, श्री सुनील साहू, शानू साहू, दुर्गेश साहू, तामेश्वर साहू, श्री शैलेन्द्र साहू, उरेंद्र साहू, श्री आकाश साहू तथा मीडिया प्रभारी दिलीप साहू सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

नए वर्ष पर स्टेट बैंक की पहल, छात्राओं को वितरित की गईं साइकिलें

कवर्धा,3 जनवरी (तछसं.)। नववर्ष के शुभ अवसर पर स्टेट बैंक द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत स्वामी करपात्री जी हायर सेकेंडरी स्कूल कवर्धा में 10 साइकिलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। साइकिल वितरण का उद्देश्य विशेष रूप से छात्राओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना, उनकी नियमित विद्यालय उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना है। यह पहल बालिकाओं की शक्ति को सुदृढ़ करने, उनमें उत्साह जगाने और उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थितजनों ने स्टेट बैंक की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे प्रयास समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साइकिल प्राप्त कर छात्राओं के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई दिया। इस अवसर पर सभी ने नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हुए यह संदेश दिया कि जब हम बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करते हैं, तो हम पूरे समाज को आगे ले जाते

एक नजर

डिवाइडर को तोड़कर ट्रक ट्रेलर घर में जा घुसा

भिलाई,3 जनवरी (तछसं.)। भिलाई नागपुर-रायपुर नेशनल हाईवे ब्रिज के पास डिवाइडर को तोड़कर एक ट्रक ट्रेलर घर में जा घुसा जिस से घर का कमरा, बाउंड्री वॉल व अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गए प्रार्थी की शिकायत पर मोहन नगर थाने पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ धारा 281, 324 (4), 184 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि प्रार्थी राम खिलावन साहू नेशनल हाईवे के पास कादंबरी नगर निवासी है औरवह प्राइवेट प्रिंटिंग प्रेस में काम करता है। 1-2 जनवरी की दरमियानी रात को वह अपने घर में सोया हुआ था लगभग 1.30 बजे रात में जोर से आवाज आई तब उसने देखा कि अशोक लीलैंड ट्रेलर एम एच 40 सीएम 6353 के चालक ने तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए डिवाइडर को तोड़कर उसके घर के भीतर ट्रक ट्रेलर को घुसा दिया है। इससे उसके घर का एक कमरा, बाउंड्री वॉल, घर में रखी आंफसेट प्रिंटिंग मशीन, साइकिलें सहित अन्य सामान का नुकसान हो गया पुलिस ने आरोपी चालक को पकड़ कर पूछताछ में लिया है।

चलाया गया आपरेशन सुरक्षा

भिलाई,3 जनवरी (तछसं.)। नव वर्ष के उपलक्ष्य में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दुर्ग पुलिस ने आपरेशन सुरक्षा और आपरेशन विश्वास अभियान चलाया आपरेशन सुरक्षा के अंतर्गत उच्च अधिकारियों के निर्देश पर संभावित सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यातायात पुलिस दुर्ग ने मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कुल 277 वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की इसी तरह आपरेशन विश्वास अभियान के माध्यम से शराब पीकर अपराध घटित करने वालों, अड्डेबाजी कर माहौल खराब करने वाले असामाजिक तत्वों और अवैध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया गया। इसके तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करने वालों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत कुल 11 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। पुलिस द्वारा की गई इस कार्यवाही में थाना सुपेला में तीन, उतई में दो, तथा दुर्ग, पद्मनाभपुर, अंजोरा, नेवई, नंदिनी नगर व पाटन में एक-एक प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

किशोरी ने की आत्महत्या

भिलाई,3 जनवरी(तछसं.)। भिलाई परेशान किशोरी ने अपने ही मकान के कमरे में आत्महत्या कर ली घटना की जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में लिया है शव को पीएम के लिए मरचूरी भेजा गया मोहन नगर पुलिस ने बताया कि शंकर नगर दुर्ग निवासी निष्ठा गोस्वामी (16 साल) कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या किया परिजनों ने जब उसे आवाज दी और दरवाजा नहीं खोला तो परेशान होकर दरवाजा को तोड़ा गया सामने निष्ठा फांसी के फंदे पर झूलती नजर आई पुलिस घटनास्थल की जांच कर शव का पंचानामा किया। मौके से सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें मृतका निष्ठा ने लिखा है सॉरी मम्मी-पापा साथ ही अपने इस कदम के लिए माता-पिता से माफी मांगी है हालांकि सुसाइड नोट में आत्महत्या का कारण क्लीयर नहीं हो पाया है पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर रही है। किशोरी किसी मानसिक तनाव, पारिवारिक या अन्य किसी परेशानी से जूझ रही थी पुलिस निष्ठा की स्कूल लाइफ, दोस्तों और हालिया गतिविधियों की भी जानकारी जुटा रही है पुलिस ने बताया कि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई किया जाएगा।

आरटीई कानून में बदलाव, पैरेंट्स एसोसिएशन ने बताया गैरकानूनी

भिलाई, 3 जनवरी । छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा का अधिकार (आरटीई) कानून के अंतर्गत प्रवेश प्रक्रिया में किए गए बदलाव को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसिएशन ने 16 दिसंबर को जारी विभागीय आदेश को गैरकानूनी बताते हुए इसका विरोध किया है। जारी आदेश के अनुसार अब निजी स्कूलों में आरटीई के तहत प्रवेश केवल कक्षा पहली में ही दिया जाएगा।

जबकि वर्ष 2016 से अब तक निजी विद्यालयों में नर्सरी और केजी-2 कक्षाओं में भी आरटीई के अंतर्गत प्रवेश की व्यवस्था लागू थी। नए आदेश से यह सुविधा समाप्त कर दी गई है, जिससे अभिभावकों में असंतोष व्याप्त है। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिस्टोफर पॉल ने इस संबंध में शिक्षा सचिव को पत्र लिखकर आदेश को आरटीई कानून के मूल प्रावधानों के विरुद्ध बताया है।

शौर्य युवा संगठन के स्थापना दिवस पर खेल,संस्कृति और सामाजिक चेतना का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई,3 जनवरी। शौर्य युवा संगठन ने आबादी पारा आदर्श ग्राम कोड़िया में अपने 15वें स्थापना दिवस का आयोजन किया। जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता, 1008 दीपों से संगीतमय गंगा महाआरती, नशामुक्ति रैली, और बालिका मानसगान एवं भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे- कबड्डी- भिलाई प्रथम, भानपुरी द्वितीय, रस्साकसी- खम्हरिया प्रथम, हनोदा द्वितीय, गोला फेंक- गुलशन प्रथम, हिमांशु द्वितीय, विनय तृतीय, तवा फेंक- रंजना प्रथम, कविता द्वितीय100 मीटर दौड़- पुरुष वर्ग–नवीन प्रथम, विनय द्वितीय, रिंकु तृतीय; महिला वर्ग–छविता प्रथम, किरण द्वितीय, रंजना तृतीय, विजेताओं को टी-शर्ट, स्पोर्ट्स किट, प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान किए गए। साथ ही सक्रिय युवा मंडलों को खेल सामग्री भी दी गई। ग्राम के मोती तालाब में 1008 दीपों से संध्याकालीन संगीतमय गंगा महाआरती, शौर्य ग्राम गौरव सम्मान, रक्तवीर सम्मान और नशामुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन हुआ। मानसकार एवं गायिका मिथलेश्वरी सेन की प्रस्तुति में बालिका मानस मंडली ने मानसगान एवं भजन प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि छालीवुड अभिनेत्री व छग फिल्म विकास निगम अध्यक्ष मोना सेन ने शौर्य संगठन को बधाई दी । दुर्ग ग्रामीण विधायक व छग राज्य ओबीसी विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने कहा कि शौर्य युवा संगठन युवाओं को खेल, अनुशासन और सामाजिक सेवा से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रहा है। दुर्ग जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी और माय भारत दुर्ग उपनिदेशक नितिन कुमार शर्मा ने संगठन की निःस्वार्थ सेवा, धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक योगदान को सराहा। खेल प्रतियोगिता में खेल प्रशिक्षक चेतन गोस्वामी, तुका सिंह यादव और रामेश्वर साहू ने रेफरी के रूप में सहयोग किया। कार्यक्रम के आयोजन में शौर्य संगठन के अध्यक्ष फलेंद्र पटेल, उपाध्यक्ष चिरंजीव निषाद, सचिव आदित्य भारद्वाज, कोषाध्यक्ष रवि साहू सहित सभी पदाधिकारी और सदस्य, स्टूडियो टीम तथा स्थानीय सहयोगियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कृपालु महाराज की प्रचारिका श्रीश्वरी देवी का प्रवचन 5 से

भिलाई, 3 जनवरी। पंचम मूल जगद्गुरु जगतगुरुत्तम स्वामी कृपालु महाराज की प्रचारिका सुश्री श्रीश्वरी देवी के सान्निध्य में आध्यात्मिक प्रवचन का आयोजन आगामी 5 से 18 जनवरी तक कालबाड़ी मैदान, वैशाली नगर में किया जा रहा है।

यह प्रवचन प्रतिदिन सायं 6 से 8 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें भक्ति, साधना, प्रेम और आत्मिक उन्नति से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। आयोजकों के अनुसार प्रवचनों के माध्यम से जीवन में शांति, सकारात्मकता और आध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया जाएगा। आयोजन समिति ने नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर प्रवचन का लाभ लेने की अपील की है।

संपत्तिकर वसूली पर अपनाया कड़ा रुख कुर्की टीम ने वार्डों में दी दस्तक

भिलाई, 3 जनवरी । आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार, संपत्तिकर की बकाया राशि वसूलने के लिए निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। इसके तहत निगम द्वारा गठित विशेष कुर्की टीम ने शहर के विभिन्न वार्डों में बकायादारों के घरों पर दस्तक देना शुरू कर दिया है। अभियान के पहले दिन ही टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए 60 हजार रुपये की वसूली कर निगम कोष में जमा कराई। नगर पालिक निगम ने बड़े बकायादारों की सूची तैयार कर ली है। नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 की धारा 175 के तहत इन बकायादारों के विरुद्ध कुर्की वारंट (शास्ती पत्र) जारी किए गए हैं। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि राजस्व वसूली में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाएगी और यह अभियान सभी वार्डों में निरंतर जारी रहेगा। कुर्की की कार्रवाई से एक दिन पूर्व संबंधित बकायादार को सूचित किया जाता है। यदि मौके पर ही बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाता है, तो संपत्ति की कुर्की कर राशि वसूलने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके साथ ही, किसी भवन या भूमि की कुर्की की पूरी जिम्मेदारी भवन/भूमि स्वामी की होगी। नगर पालिक निगम भिलाई ने सभी करदाताओं से अपील की है कि जिन्होंने अभी तक अपने करों का भुगतान नहीं किया है, वे असुविधा और कुर्की जैसी अप्रिय कार्रवाई से बचने के लिए अपने बकाया कर की राशि निगम के नागरिक सुविधा केंद्रों या ऑनलाइन माध्यम से जमा कर दें और निगम के विकास कार्यों में सहभागी बनें। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, बसंत देवांगन, बालकृष्ण नायडू, सुनील जोशी, प्रसून तिवारी सहित राजस्व टीम मौजूद रही।

श्रीरामकृष्ण पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,3 जनवरी। श्रीरामकृष्ण पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन। गौरतलब है कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ ही साथ शालेय सहगामी प्रतियोगिताओं का होना भी आवश्यक एवं अनिवार्य है। इसी उद्येश्य की पूर्ति हेतु श्री रामकृष्ण पब्लिक स्कूल में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 3रीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आगाज़ डॉ. पी.पी. चन्द्रवंशी , पूर्व प्राचार्य शास. महा. बेमेतरा एवं निर्देशक डॉ. आदित्य चन्द्रवंशी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के चारों आधार स्तंभ संस्कार, रीति, परंपरा एवं संस्कृति हाऊस के बच्चों के द्वारा अपने दलीय परिधान से सुसज्जित होकर बेंड की धुन पर मार्चपास्ट करते हुए सलामी दी गई तदुपरांत खेल शिक्षक के द्वारा अतिथियों का सभी हाऊस के प्रतिनिधियों से क्रमशः परिचय कराया गया। इस वर्ग के बच्चों के लिए 100 मी. रेस, 200 मी. रेस, रिलेरेस, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, शॉटपुट, लंबी कुद, जेवलीन थ्रो, ऑब्सटेकल रेस आदि खेलों में बच्चें जहाँ अत्यंत उत्साहित नज़र आए वहीं खो-खो , कबड्डी , वॉलीबॉल में पूरे जोश एवं ऊर्जा से लबरेज अपने प्रतिद्वंदियों को पराजित करने की जद्दोजहद में दिखे। इस अवसर पर सभी विजेताओं एवं उपविजेताओं को प्रमाण पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस संबंध में विद्यालय की प्राचार्या महोदया एम. शारदा ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि खेल को खेल भावना के साथ खेलना चाहिए, जीतना ही आवश्यक नहीं। उन्होंने खेलों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि खेलों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण योगदान होता है। खेलों से बच्चों के जीवन में सहयोग की भावना का विकास होता है। खेलकूद से बच्चें शारीरिक एवं मानसिक रूप से सुदृढ़ होते हैं। एक स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है। इस अवसर पर समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ, खेल शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

आयुक्त ने किया जोन-5 के उद्यानों और क्रिकेट कोर्ट का निरीक्षण

भिलाई, 3 जनवरी । नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने आज जोन-5 अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों एवं जन सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेक्टर-4 स्थित उद्यानों और क्रिकेट कोर्ट का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को संधारण और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में निगम आयुक्त ने स्थानीय पार्षद राजेश चौधरी के साथ सेक्टर-4 सड़क-12 के समीप स्थित उद्यान का अवलोकन किया। उन्होंने उद्यान की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए तत्काल व्यापक साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों के लिए लगाए गए खेल उपकरणों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू एवं उप अभियंता को सभी झूलों व खेल सामग्रियों का आवश्यक संधारण सुनिश्चित करने को कहा, ताकि बच्चों को सुरक्षित एवं आनंददायक वातावरण मिल सके। इसके पश्चात आयुक्त ने सड़क-25 स्थित उद्यान का भी निरीक्षण किया और वहां रखरखाव एवं संधारण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में आयुक्त ने क्रिकेट कोर्ट का भी बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को अभ्यास के दौरान किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए क्रिकेट कोर्ट के चारों ओर लगी जाली के संधारण और मरम्मत के निर्देश दिए गए, जिससे खेल के दौरान सुरक्षा बनी रहे। इस निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता प्रिया करसे, उप अभियंता शंकर सुवन मरकाम, स्वच्छता निरीक्षक सूर्या, सुपरवाइजर मनीष चौधरी, वेंकट सहित निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर जनदर्शन में दर्ज शिकायत पर हटाया गया नाली से अवैध निर्माण

भिलाई, 3 जनवरी । नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के आदेशानुसार अवैध कब्जा और निर्माण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। हाल ही में कलेक्टर जनदर्शन में दर्ज शिकायत के आधार पर हाउसिंग बोर्ड कालीबाड़ी के सामने मुख्य मार्ग में नाली पर ढलाई, ईंट और पत्थर डालकर नाली जाम कर दी गई थी। इसके कारण नाली की सफाई में कठिनाई आ रही थी। निगम आयुक्त के निर्देश एवं प्राप्त शिकायत के आधार पर जोन-2 एवं जोन-3 की राजस्व टीम ने जेसीबी के माध्यम से अवैध ढलाई को हटाने की कार्रवाई की। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, बसंत देवांगन, बेदखली प्रभारी विनय शर्मा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह, अनिल शुक्ला, कृष्ण कुमार सुपैत, मदनमोहन तिवारी, समीर अहमद, कार्तिक सहित स्वास्थ्य एवं राजस्व टीम मौजूद रही।

फिल्म परिणय सूत्र का प्रसारण भोजपुरी चैनल बीफोरयू पर

भिलाई, 3 जनवरी । आद्या फिल्म के बैनर तले बनी भोजपुरी फिल्म परिणय सूत्र' 3 जनवरी शनिवार शाम 5ः30 बजे और 4 जनवरी रविवार) सुबह 9ः30 बजे बी फोर यू भोजपुरी चैनल पर प्रसारित होगी। इसमें भोजपुरी सिनेमा की सुपरस्टार रानी चटर्जी, तनुश्री, प्रशांत सिंह राजपूत, राकेश बाबू के साथ ही भिलाई के अभिनेता ललित उपाध्याय और शमशीर सिवानी भी अहम भूमिका में हैं। निर्देशक मंजुल ठाकुर और निर्माता संदीप सिंह के अनुसार, यह फिल्म सामाजिक संदेश देती है और दर्शकों को 1970 के दशक की भावनात्मक कहानी का अनुभव कराती है।

ओपीडी परिसर में सीपीआर प्रशिक्षण, जीवनरक्षक तकनीकों की दी जानकारी

भिलाई, 3 जनवरी । सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएचआरसी) के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग द्वारा 1 जनवरी को ओपीडी परिसर में मासिक सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में रोगियों एवं उनके परिजनों को आकस्मिक हृदयाघात की स्थिति में तत्काल जीवनरक्षक सहायता देने की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि हृदय गति रुकने के बाद के प्रारंभिक मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इसी उद्देश्य से ÷पुश हार्ड, पुश फास्ट÷ सिद्धांत पर आधारित हैंड्स-ओनली सीपीआर का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। मैनिकिन्स के माध्यम से प्रतिभागियों को सही तरीके से सीने पर दबाव देने का अभ्यास कराया गया। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि प्रत्येक माह की पहली तारीख को आयोजित यह कार्यक्रम आमजन को आपात स्थिति में जीवन बचाने के लिए सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

छेरछेरा की आवाज से गांव के गली-मुहल्ले गूंज उठे, बच्चों से लेकर युवाओं ने मांगे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 3 जनवरी। छत्तीसगढ अपने आप में लोक परम्पराओ को समेटे हुये है । छत्तीसगढ के किसान सबसे बड़े दानी के रुप में माना गया है । साथी ही सभी जीव प्रजातियों के अन्नदाता की उपमा भी मिला हुआ है । प्रकृति के गाय बैल भैंस चुहा सभी पक्षियों साँप सहित सभी जीव जंतुओ को किसी न किसी रुप में अन्न दान देकर जीवन देती है । और बच गये बच्चों और बड़ों को भी छेरछेरा पुर्णिमा के दिन दान करती है ।लोक परंपरा के अनुसार पौष महीने की पूर्णिमा को प्रतिवर्ष छेरछेरा का त्योहार मनाया जाता है। गाँव के युवक जो अपने समिति या खेल के लिए आर्थिक संसाधन की कमी को दुर करने के लिए घर-घर जाकर बाजा बजाकर नृत्य करते हैं और अन्न का दान माँगते हैं। धान मिंजाई हो जाने के चलते गाँव में घर-घर धान का भंडार होता है, जिसके चलते लोग छेर छेरा माँगने वालों को दान करते हैं। 'छेर छेरा ! माई कोठी के धान ला हेर हेरा !' यही आवाज़ आज सभी ग्रामीण अंचल में गूंजी और दान के रूप में धान और नगद राशि बांटी गई। राज्य का राजा घर आये या खेतो की फसल, एक तरह से जब खुशी आपके दरवाज़े दस्तक दे यही है छेरछेरा पर्व। शास्त्री चौक सेलुद के विद्यार्थी मीत साहु ने बताया कि छत्तीसगढ सरकार छेरछेरा पर्व पर छुट्टी घोषित कर दिया गया है यह हम सब पढ़ने वाले बच्चों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है ।क्योंकि पहले हम लोग इस दिन स्कुल ही नहीं जाते छुट्टी मार देते थे ।लेकिन पढ़ाई तरफ ध्यान भी रहता था तो पुर्ण मनोयोग से यह त्योंहार नहीं मना पाते थे ।कुछ हमारे साथी सुबह एक घंटे छेरछेरा मांगने के बाद स्कुल चले जाते थे ।लेकिन स्कुल और छेरछेरा त्योंहार मनाने के बीच मन रहता था ।लेकिन इस वर्ष छुट्टी देने से पुरे मनोयोग से छेरछेरा त्योंहार मना रहे है । इस छूट्टी के लिए हम सब विद्यार्थी सरकार के बहुत बहुत शुक्रगुजार है ।

नववर्ष पर स्वच्छता दीदियों एवं कर्मियों का किया गया सम्मान

भिलाई, 3 जनवरी। नववर्ष के शुभ अवसर पर नगर निगम में स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही स्वच्छता दीदियों एवं कर्मियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय को भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी गईं। भिलाई शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक मुक्त बनाए रखने के लिए स्वच्छता दीदियाँ एवं सफाई कर्मी प्रतिदिन प्रातःकाल से ही अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। इनके अथक प्रयासों से शहर की स्वच्छता व्यवस्था को नई दिशा मिल रही है। नववर्ष के उपलक्ष्य में नगर निगम के सभी जोन कार्यालयों में कार्यरत स्वच्छता दीदियों एवं कर्मियों को वार्ड पार्षदों एवं निगम कर्मचारियों की उपस्थिति में पुष्प भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी ने उनके योगदान की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण भाव से कार्य करने की अपेक्षा व्यक्त की।

एक नजर

अवैध शराब बिक्री करने वाले 2 कोचियों को किया गया गिरफ्तार

बलौदाबाजार 3 जनवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना समाधान सेल प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। समाधान सेल के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक 01.01.2026 को समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर चौकी करहीबाजार की पुलिस टीम द्वारा ग्राम करहीबाजार में घेराबंदी कर अवैध रूप से बिक्री करने के लिए शराब ले जाते हुए 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी शराब कोचियों से ?3800 कीमत मूल्य का 38 पाव देशी मसाला शराब एवं अवैध रूप से शराब परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल क्रमांक छ्त्त22 क्र2825 जप्त किया गया है। आरोपियों के विरुद्ध चौकी करहीबाजार में धारा 34(2) आबकारी के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

उप पुलिस अधीक्षक निधि नाग अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत

बलौदाबाजार 3 जनवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आज दिनांक 02.01.2026 को पुलिस कार्यालय बलौदाबाजार में उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती निधि नाग के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर विभागीय पदोन्नति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्रीमति भावना गुप्ता द्वारा श्रीमति निधि नाग के कंधे पर अशोक चिन्ह लगाकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नति की प्रक्रिया पूर्ण कर शुभकामनाएं दी गई। वर्तमान में श्रीमती निधि नाग एसडीओपी बलौदाबाजार के पद पर पदस्थ है। इस दौरान पदोन्नति कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेम सागर सिदार, उप पुलिस अधीक्षक सुश्री अपूर्वा क्षत्रिय, श्री तुलसी लेकाम, श्री राजेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

किआ इंडिया ने लॉन्च की ऑल-न्यू सेल्टोस, 10.99 लाख से शुरू

रायपुर 3 जनवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। किआ इंडिया ने ऑल-न्यू किआ सेल्टोस को 10.99 लाख (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर पेश किया है। दूसरी पीढ़ी की यह एसयूवी पहले से अधिक बड़ी, दमदार और तकनीक-समृद्ध है। नई सेल्टोस में 30-इंच पैनोरमिक डिस्प्ले, लेवल-2 ॥्रष्ट, 24-प्वाइंट सेफ्टी पैक, प्रीमियम बोस साउंड सिस्टम और ग्लोबल च्३ प्लेटफॉर्म जैसे सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स दिए गए हैं।यह पेट्रोल और डीज़ल इंजन विकल्पों के साथ कई ट्रांसमिशन में उपलब्ध है। अपने आकर्षक डिज़ाइन, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और प्रतिस्पर्धी कीमत के साथ ऑल-न्यू सेल्टोस मिड-एसयूवी सेगमेंट में नई हलचल मचाने को तैयार है।

धान का सही दाम और केंद्रों में बेहतर सुविधाओं से खुश हैं किसान

किसान रूपचंद साहू ने 3100 रूपये की दर से सुगम धान खरीदी के लिए मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

बलौदाबाजार-भाटापारा, 3 जनवरी। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए गए निर्णयों का सीधा लाभ अब खेती-किसानी से जुड़े परिवारों तक पहुँचने लगा है। जिले के प्रगतिशील किसान रूपचंद साहू ने अपने क्षेत्र के उपार्जन केंद्र में 230 कट्टा धान का विक्रय किया है और 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से मिलने वाली राशि को लेकर वे बेहद उत्साहित हैं।

ग्राम संकरी के किसान रूपचंद साहु ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप धान खरीदी केंद्रों में इस बार किसानों के सम्मान और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि 4 एकड़ कृषि भूमि है, जिस पर वे पूरी लगन से खेती का कार्य करते हैं। किसान रूपचंद साहू का कहना है कि उपार्जन केंद्र में इस बार व्यवस्थाएं पहले से काफी बेहतर और सुव्यवस्थित हैं। उन्होंने बताया कि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है, क्योंकि केंद्र में पर्याप्त मात्रा में बारदाने उपलब्ध कराए गए हैं। इसके साथ ही, भीषण धूप से बचाव के लिए छाया की उत्तम व्यवस्था और किसानों के लिए पीने के साफपानी का उचित प्रबंध शासन द्वारा किया गया है। इन छोटी लेकिन महत्वपूर्ण सुविधाओं से किसानों को अपनी बारी का इंतज़ार करने में सुगमता हो रही है और वे स्वयं को सम्मानित महसूस कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा 3100 रुपये की दर से धान खरीदी के वादे को पूरा करने पर आभार व्यक्त करते हुए रूपचंद साहू ने कहा कि किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए यह एक ऐतिहासिक कदम है। सही दाम और केंद्रों में मिल रही सुविधाओं ने किसानों का मनोबल बढ़ाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य सरकार की इन किसान हितैषी योजनाओं से प्रदेश के अन्नदाताओं के जीवन में समृद्धि आएगी और खेती की ओर युवाओं का रुझान भी बढ़ेगा।

तुरतुरिया में इको-रिलीज़ियस टूरिज्म की शुरुआत

पर्यटन प्रबंधन समिति में 21 सदस्य शामिल, पार्किंग की अच्छी व्यवस्था

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 3 जनवरी। प्रकृति का सम्मान करते हुए स्थानीय संस्कृतियों और वन्यजीवों को नुकसान पहुंचाय बिना धार्मिक स्थलों का अवलोकन के उद्देश्य से वन परिक्षेत्र बल्दाकछार अंतर्गत स्थित सुप्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल तुरतुरिया में इको-रिलीज़ियस टूरिज्म की अवधारणा को साकार किया जा रहा है। इसके लिये तुरतुरिया संयुक्त वन प्रबंधन एवं पर्यटन समिति के माध्यम से संचलित किया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष पौष पूर्णिमा के अवसर पर तुरतुरिया में आयोजित होने वाला तीन दिवसीय मेला इस वर्ष 2 से 04 जनवरी 2026 तक आयोजित है।

तुरतुरिया पर्यटन प्रबंधन हेतु गठित इस समिति में आसपास के पाँच ग्राम खुड़मुड़ी, बफरा, पैरागुड़ा, भिंभोरी एवं ठाकुरदिया के कुल 21 सदस्यों को शामिल किया गया है, जिनमें महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है। समिति को नियमानुसार न केवल अपने दायित्व सौंपे गए हैं, बल्कि कार्यों के प्रभावी संचालन हेतु आवश्यक अधिकार भी प्रदान किए गए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर उत्तरदायित्वपूर्ण एवं पारदर्शी प्रबंधन सुनिश्चित हो सके।

समिति द्वारा तुरतुरिया आने वाले पर्यटकों के लिए वाहनों की सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था की गई है तथा सुलभ शौचालयों का प्रबंधन किया जा रहा है। इसके साथ ही स्थल की नियमित साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण एवं पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने का कार्य भी समिति द्वारा सक्रिय रूप से किया जा रहा है। इस पर्यटन प्रबंधन समिति द्वारा कार्य 23 दिसम्बर 2025 से प्रारंभ किया गया है तथा एक सप्ताह में पीक टूरिस्ट सीज़न के दौरान समिति द्वारा लगभग ?70,000 की आय अर्जित की गई है। पॉलीथिन मुक्त तुरतुरिया की संकल्पना को आत्मसात करते हुए समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विशेष पहल की गई है। इसके अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर बांस से निर्मित कूड़ादान स्थापित किए जा रहे हैं तथा प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अभियान के माध्यम से स्थानीय लोगों और पर्यटकों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है। विभिन्न स्थानों पर पोस्टर, बैनर एवं साइन बोर्ड लगाकर आमजन को जागरूक किया जा रहा है। इस पूरी प्रक्रिया में स्थानीय बेरोजगार ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं, जिससे पर्यटन के साथ-साथ आजीविका संवर्धन को भी बढ़ावा मिल रहा है। तुरतुरिया, बारनवापारा अभ्यारण्य से सटे होने के कारण यहाँ आसपास के क्षेत्रों में वन्यप्राणियों की उपस्थिति भी देखने को मिलती है। पर्यटक यहाँ प्राकृतिक परिवेश में वन्यजीवों का सहज अवलोकन कर पा रहे हैं। स्थल पर विकसित गार्डन क्षेत्र पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। भविष्य में पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा किचन शेड के निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार किया गया है। वनमण्डलाधिकारी गणवीर धम्मशील ने कहा है कि भविष्य में तुरतुरिया संयुक्त वन प्रबंधन एवं पर्यटन समिति द्वारा स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं विकास से जुड़ी अन्य गतिविधियों को भी चरणबद्ध रूप से संचालित करने की योजना है। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (ՙस्ढ्ढ) से समन्वय स्थापित कर पुरातात्विक सर्वेक्षण की संभावनाओं की दिशा में कार्य किया जाएगा जिससे तुरतुरिया को एक पुरातात्विक, स्वच्छ, सुंदर और सतत पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि तुरतुरिया न केवल धार्मिक और पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल है बल्कि ऐतिहासिक रूप से भी इसका विशेष महत्व रहा है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के वरिष्ठ अधिकारी जे.डी. बेगलर ने अपने सर्वेक्षण प्रतिवेदन में उल्लेख किया है कि तुरतुरिया में बौद्धकालीन अवशेष उपलब्ध है तथा यहां बुद्ध की एक प्राचीन प्रतिमा विद्यमान है। जे.डी. बेगलर ने आगे अपने वृत्तांत में यह भी दर्ज किया कि उस समय तुरतुरिया स्थल का प्रबंधन कार्य बौद्ध भिक्षुणियों द्वारा किया जाता था।

विश्वविद्यालय के परीक्षा आयोजित किए जाने के निर्णय के विरोध में एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर 3 जनवरी। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोकपर्व छेरछेरा के दिन पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा आयोजित किए जाने के निर्णय के विरोध में आज रायपुर ज़िला एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन ज़िला सचिव संस्कार पांडेय के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाज़ी की और छत्तीसगढ़ी संस्कृति के सम्मान की मांग उठाई। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति महोदय से मुलाक़ात कर उन्हें शैक्षणिक कैलेंडर भेंट किया, जिसमें पूर्व वर्षों में छेरछेरा पर्व के अवसर पर अवकाश का स्पष्ट उल्लेख है।

ज़िला सचिव संस्कार पांडेय ने कहा कि छेरछेरा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की आत्मा और सामाजिक परंपरा का प्रतीक है। ऐसे पावन पर्व के दिन परीक्षा आयोजित करना छात्रों की भावनाओं और छत्तीसगढ़ी संस्कृति दोनों का अपमान है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन को छात्रों की भावनाओं का सम्मान करते हुए तत्काल परीक्षा तिथि में बदलाव करना चाहिए। एनएसयूआई ने मांग की कि छेरछेरा के दिन आयोजित सभी परीक्षाओं को निरस्त कर नई तिथि घोषित की जाए तथा भविष्य में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक पर्वों को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेंडर में विधिवत सम्मान दिया जाए। एनएसयूआई ने चेतावनी दी कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन ने शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो छात्र संगठन आंदोलन को और तेज़ करेगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

धमतरी में बनेगा भव्य एवं अत्याधुनिक हाईटेक बस स्टैंड

धमतरी, 3 जनवरी। जिले के शहरी विकास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। नगरोत्थान योजना के अंतर्गत धमतरी में भव्य, सुव्यवस्थित एवं अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हाईटेक बस स्टैंड का निर्माण किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए शासन द्वारा 1770.04 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है, जबकि 1767.91 लाख रुपये की निविदा राशि स्वीकृत की गई है। यह परियोजना यात्री सुविधाओं के साथ-साथ शहर के समग्र विकास को नई दिशा देगी।

प्रस्तावित हाईटेक बस स्टैंड का निर्माण ग्राम अर्जुनी, धमतरी स्थित खसरा नंबर 35 में कुल 2.01 हेक्टेयर भूमि क्षेत्र में किया जाएगा। इसके निर्माण से धमतरी को एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं आधुनिक परिवहन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे यात्रियों एवं आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। परियोजना के अंतर्गत भव्य एवं आधुनिक टर्मिनल भवन का निर्माण किया जाएगा, जो भूतल, प्रथम तल एवं टेरेस फ्लोर युक्त होगा। भवन को आकर्षक एवं आधुनिक स्वरूप देने के लिए उन्नत वाल क्लैडिंग कार्य किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा हेतु एलईडी ग्लो मैट्रिक्स स्क्रीन बोर्ड लगाए जाएंगे, जिनमें बसों के आगमन-प्रस्थान की जानकारी एवं अन्य आवश्यक सूचनाएं प्रदर्शित होंगी।

बस स्टैंड परिसर में साइट फिलिंग, सीमेंट कंक्रीट सड़क, विशाल पार्किंग व्यवस्था, बाउंड्री वॉल, ग्रिल बाउंड्री वॉल, पेवर ब्लॉक वर्क, हरित लैंडस्केपिंग तथा आरसीसी ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण किया जाएगा। जल आपूर्ति हेतु बोरवेल एवं आधुनिक जलप्रदाय व्यवस्था स्थापित की जाएगी। वहीं सुरक्षा एवं प्रकाश व्यवस्था के लिए 25 मीटर ऊँचाई के दो हाईमास्ट लाइट, ट्रांसफार्मर, बाह्य विद्युतीकरण एवं रोड मार्कर लगाए जाएंगे। यात्रियों की दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बस स्टैंड परिसर में दुकानों का निर्माण, ब्लॉक निर्माण, सेप्टिक टैंक, सम्प टैंक एवं इंटेक्स निर्माण प्रस्तावित है। इससे यात्रियों को सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी तथा स्थानीय व्यापार एवं रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

इस हाईटेक बस स्टैंड के निर्माण से धमतरी के नागरिकों एवं यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं आधुनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। महापौर श्री रामू रोहरा ने कहा कि भव्य एवं अत्याधुनिक हाईटेक बस स्टैंड का निर्माण धमतरी शहर की वर्षों पुरानी मांग थी। इसके निर्माण से यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी तथा शहर की सुंदरता, यातायात व्यवस्था एवं व्यावसायिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। यह परियोजना धमतरी को एक आधुनिक शहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में सशक्त कदम सिद्ध होगी। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने कहा कि नगरोत्थान योजना के तहत प्रस्तावित हाईटेक बस स्टैंड जिले के शहरी विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह परियोजना यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित परिवहन सुविधा प्रदान करेगी।

कलेक्टर ने की धान खरीदी प्रगति की समीक्षा

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 3 जनवरी। कलेक्टर दीपक सोनी ने शुक्रवार को खाद्य, सहकारिता,कृषि एवं अन्य सम्बंधित विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर धान खरीदी प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने उठाव की अत्याधिक आवश्यकता वाले समिति एवं उपार्जन केंद्रों से तत्काल धान उठाव शुरू करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि लगभग 40 ऐसे समिति एवं उपार्जन केन्द्र है जहां मिलर्स से तत्काल उठाव एवं परिवहन की आवश्यकता है इन केंद्रों से धान उठाव हेतु डीओ जारी होने वाले मिलर्स से तत्काल उठाव कराएं। उठाव नहीं करने वाले मिलर्स पर कड़ी कार्यवाही करें। उन्होंने डीएमओ को निर्देशित किया कि प्रतिदिन 15 हजार मिट्रिक टन धान का उठाव कराने हर संभव प्रयास करें। इसीतरह सहकारिता एवं खाद्य अधिकारी समिति एवं उपार्जन केंद्रों की कड़ी निगरानी रखें एवं अगले 5 दिन की खरीदी मात्रा के अनुसार उठाव हेतु चिन्हांकित करें। बताया गया कि जिले के सभी 166 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी जारी है एवं अब तक 88468 किसानों से 428748 मेट्रिक टन धान खरीदी एवं 148584 मीट्रिक टन का उठाव किया गया है।

दावा-आपत्ति 10 जनवरी तक

धमतरी, 3 जनवरी। एकीकृत बाल विकास परियोजना धमतरी शहरी के तहत सुभाष नगर वार्ड धमतरी के आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-01 में सहायिका पद पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे। परियोजना अधिकारी ने बताया कि प्राप्त आवेदनों का मूल्यांकन, चयन समिति द्वारा किया गया है। मूल्यांकन पत्रक एकीकृत बाल विकास परियोजना धमतरी शहरी कार्यालय सहित संबंधित वार्ड के आंगनबाड़ी केन्द्र में चस्पा किया गया है। मूल्यांकन पत्रक के संबंध में यदि किसी को आपत्ति हो तो, वह आगामी 10 जनवरी तक लाईवलीहुड कॉलेज के सामने स्थित एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय में दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त 7 शासकीय सेवकों को किया गया सम्मानित

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 3 जनवरी। अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। कलेक्टर दीपक सोनी ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को शाल- श्रीफल से सम्मानित किया एवं उन्हें पेंशन पेमेंट आर्डर की प्रति सौंपी। इस अवसर पर उन्होंने लम्बे समय तक जनसेवा एवं भावी पीढ़ी तैयार करने में अहम भूमिका निभाने के लिये बधाई दी तथा उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन हेतु शुभकामनाये भी दी। सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों में मिनीमाता शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक शाला कसडोल के व्याख्याता प्रवीण कुमार शर्मा,शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक शाला भाटापारा के प्रधान पाठक मान साय साहु, शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक शाला सिमगा के श्यामलता वर्मा, प्रधान पाठक पद्मा वर्मा, अनिल कुमार नायक, रिद्धि साहु एवं तहसील कार्यालय बलौदाबाजार के चैनमेन रामूलाल ध्रुव शामिल है। इस अवसर पर जिला कोषालय अधिकारी सौम्या शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

आयल पॉम की खेती पर अनुदान के अतिरिक्त टॉपअप

बलौदाबाजार, 3 जनवरी। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राज्य सरकार ने किसानों की आर्थिक समृद्धि को देखते हुए आयल पॉम की खेती को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया है। इसके तहत आयल पाम की खेती करने वाले किसानों को केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा अनुदान के अलावा राज्य सरकार टॉपअप के रूप में अतिरिक्त अनुदान दे रही है। यह अनुदान रखरखाव, अंतवर्तीय फसल, ड्रिप सिंचाई एवं फेंसिग के लिये दी जायेगी। सरकार की इन नीतिगत फैसलों से आयल पॉम की खेती के लिए किसान आकर्षित हो रहे है। इसका किसानों को दीर्घकालीन लाभ मिलेगा। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही अनुदान के अतिरिक्त राज्य सरकार 69620 रूपये प्रति हेक्टेयर का अतिरिक्त टॉपअप अनुदान देगी। रखरखाव के लिए अब पहले से मिल रहे 5250 रूपये के अतिरिक्त 1500 रूपये प्रति हेक्टेयर, अंतरवर्तीय फसल के लिये 5250 रूपये के साथ 5000 रूपये प्रति हेक्टेयर तथा ड्रिप सिंचाई पर 14130 रूपये के अतिरिक्त 8635 रूपये प्रति हेक्टेयर का टॉपअप मिलेगा। पहली बार फेंसिग पर भी 54485 रूपये प्रति हेक्टेयर का अनुदान दिया जायेगा। आयल पॉम एक दीर्घकालीन फसल है जिसमें रोपण के चौथे वर्ष से उत्पादन शुरू होकर लगभग 30 वर्षो तक निरंतर आय मिलती है। पारंपरिक तिलहनी फसलों की तुलना में इसकी तेल उत्पादन क्षमता 4 से 6 गुना अधिक है।अधिक जानकारी के लिए शेखर जायसवाल मो.न.8103998548 पर संपर्क कर सकते है।

कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका 2026 का विमोचन

किसानों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दें: कृषि मंत्री

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 3 जनवरी। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज यहां नया रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका 2026 का विमोचन किया। श्री नेताम ने कृषि दर्शिका के प्रकाशन हेतु इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल एवं उनके सहयोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि दर्शिका में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान एवं विस्तार कार्यों के साथ ही नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी तथा किसानों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारियों को शामिल किया गया है, जो किसानों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि कृषि विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के किसानों के हित में इसी प्रकार निरंतर प्रयासरत रहेगा।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कृषि मंत्री को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका 2026 के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका में छत्तीसगढ़ राज्य की सामान्य जानकारी, कृषि क्षेत्रफल, प्रमुख कृषि फसलों, उनकी उत्पादन तकनीक, कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे अनुसंधान एवं विस्तार कार्यों, योजनाओं, गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी रहती है। दर्शिका में विभिन्न खरीफ एवं रबी फसलों जिनमें अनाज, दलहन, तिलहन, लघु धान्य फसलें, चारा फसलें, औषधीय एवं सगंध फसलें तथा फल, फूल एवं सब्जी वाली फसलों की उन्नत कृषि कार्यमाला प्रकाशित की जाती है। इसके साथ ही कृषि विश्वविद्यालय की विगत वर्ष की गतिविधियों एवं उपलब्धियों, विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों तथा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एवं प्रसारित कृषक उपयोगी प्रौद्योगिकी की जानकारी भी प्रकाशित की जाती है। विभिन्न फसलों के प्रमुख कीट एवं प्रमुख रोग तथा उनका प्रबंधन भी शामिल किया जाता है। इसके साथ ही केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए संचालित विकास एवं कल्याण योजनाओं, उनके तहत दी जाने वाली सुविधाओं एवं अनुदान के संबंध में जानकारी दी जाती है। कृषि दर्शिका में कृषि विश्वविद्यालय, कृषि तथा संबंधित विभागों एवं किसानों के लिए उपयोगी अन्य संपर्क सूत्रों की जानकारी भी प्रकाशित की जाती है। विमोचन समारोह में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कपिल देव दीपक निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. एस.एस. टुटेजा, डॉ. नीता खरे, डॉ. ज्योति भट्ट, डॉ. दीप्ति झा डॉ. जी.पी. अयाम, डॉ. डी.पी. पटेल एवं संजय नैयर उपस्थित थे।

संपादकीय

अब माफी मांगे तो मुश्किल और न मांगें तो मुश्किल

राजनीति में बोलने की आजादी सबको है,सब रोज बोलते हैं, एक दूसरे के खिलाफ बोलते हैं, मजा लेकर बोलते हैं, कटाक्ष करते हैं, कहानी सुनाते हैं, इसी बहाने आलोचना करते हैं, मजाक उड़ाते है और अपमान भी करते हैं। बोलने वाला नेता कब आलोचना कर रहा है, कब मजाक बना रहा है, कब अपमान कर रहा है, इसकी सीमा रेखा तो होती नहीं है।बोलने वाला तो सोचना है कि उसने कुछ भी गलत नहीं कहा है।उसने जो कहा है सही कहा है लेकिन कई बार ऐसा होता है कि बोलने वाले को पता नहीं चलता है कि वह आलोचना करते करते कब किसी का अपमान कर बैठता है। कई बार बोलने वाले को नहीं लगता है कि उसने किसी का अपमान किया है लेकिन जिसके बारे में कहा जाता है उसे और सुनने वाले लोगों को लगता है कि यह तो अपमान हो गया।राजनीति में चूक सबसे होती है और सबको बोलने का मौका मिलता है। इस बार पूर्व सीएम भूपेश बघेल से चूक हो गई है और बोलने का मौका भाजपा वालों को मिल गया है, साहू समाज को मिल गया है। भूपेश बघेल ने अपने बिलासपुर दौरे के दौरान एक बंदर की कहानी सुनाई।जंगल के लोग एक बार मिलकर बंदर को राजा बना देते हैं,बंदर के राजा बनने के बाद शेर हिरण के बच्चे को पकड़ लेता है, हिरण बंदर से बचाने को कहता है तो बंदर एक डाल से डाल से दूसरी डाल पर कूदता रहता है और कहता है कि मेरे प्रयास में कोई कमी है क्या।भूपेश बघेल से चूक यह हो गई कि उन्होंने बंदर की तुलना डिप्टी सीएम साव से कर दी,इस पर सबसे पहले मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि पूर्व मंत्री को ऐसी भाषा शोभा नहीं देती है,वह चुनावी झटके से विचलित होकर ऐसा बयान दे रहे हैं।इसके बाद डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने भी कहा है कि भूपेश बघेल बड़े नेता है, उनको ऐसी भाषा शोभा नहीं देती है, शब्दों की मर्यादा होती है जिसे समझना चाहिए। वह न शब्दों की मर्यादा समझते हैं और न ही भ्रष्टाचार में कोई सीमा रखी है।उन्होंने ऐसा भ्रष्टाचार किया है जैसा पहले कभी देखने को नहीं मिला।उन्होंने तो भ्रष्टाचार में नवाचार किया है। बोलने का मौका मिलता है तो सब बोलते हैं और खूब बोलते है, खुलकर बोलते हैं, बड़ा आदमी भी कहते हैं और छोटे काम की चर्चा भी करते हैं।मौका मिला तो प्रदेश साहू संघ ने डिप्टी सीएम अरुण साव के खिलाफ की गई भूपेश बघेल की टिप्पणी को अत्यंत अमर्यादित, आपत्तिजनक और निंदनीय बताया है। साथ ही कहा है कि अपनी टिप्पणी के लिए भूपेश बघेल 10 दिन के भीतर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे। वह ऐसा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ समाज आंदोलन करेगा।यही नहीं समाज के अध्यक्ष ने सभी जिला अध्यक्षों को पत्र लिखकर कहा है कि वह भी भूपेश बघेल से क्षमा मांगने के लिए कहें। ऐसा नहीं किया जाता है तो समाज चरणबध्द आंदोलन करेगा। इस मामले में कांग्रेस के और किसी नेता का बयान तो नहीं आया है लेकिन टीएस सिंहदेव का बयान आया है कि भूपेश बघेल ने जो टिप्पणी की है कि वह किसी समाज पर नहीं की है वह व्यक्ति पर की है। टीएस सिंहदेव सच कह रहे हैं लेकिन आधा सच कह रहे हैं। यह तो सच है कि भूपेश बघेल ने डिप्टी सीएम साव की तुलना बंदर से की है लेकिन वह यह भूल कैसे गए कि डिप्टी सीएम साव साहू समाज के बड़े नेता हैं।उनके खिलाफ कुछ कहे पर साहू समाज को भी बुरा लग सकता है। .यह तो बोलने वाले की जिम्मेदारी है कि वह जब कुछ कहता है तो इस बात ख्याल भी रखे कि व्यक्ति जिस समाज का है,उस समाज को उसका कहना बुरा न लगे। भूपेश बघेल जैसे बड़े नेता से ऐसे चूक की उम्मीद तो नहीं की जाती है लेकिन यह चूक तो उनसे हो गई है। सब यही तो कह रहे हैं कि भूपेश बघेल जैसे बड़े नेता से ऐसी चूक कैसे हो सकती है,उनसे तो ऐसी चूक नहीं होनी चाहिए। बड़े नेता से तो यही उम्मीद की जाती है कि वह कुछ कहे तो इस तरह से कहे, ऐसे शब्दों का प्रयोग करे कि किसी व्यक्ति को, किसी समाज को बुरा न लगे। राजनीति में रोज नेताओं को बोलना रहता है तो रोज बोलते वक्त किसी दिन चूक हो जाती है और दूसरों को मौका मिलता है बोलने का और वह पुराना सब हिसाब चुकता कर देते हैं। बलौदाबाजार हिंसा मामले में साय सरकार ने दोषी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की थी तो कांग्रेस ने इसे मौके का लाभ उठाकर यह प्रचार किया था कि साय सरकार सतनामी समाज के लोगों को परेशान कर रही है। तब कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ सतनामी समाज को खड़े करने का प्रयास किया था। राजनीति में ऐसा होता रहता है, सारे राजनीतिक दल ऐसा करते हैं। उनको मौका मिलता है तो वह किसी राजनीतिक दल या सरकार के खिलाफ समाज को खडा करने का प्रयास करते हैं ताकि उनको राजनीतिक लाभ हो और दूसरे को राजनीतिक रूप से नुकसान हो। इस बार भूपेश बघेल के खिलाफ साहू समाज को खड़ा करने का प्रयास किया गया है। भूपेश बघेल माफी मांगेंगे तो माना जाएगा कि उनसे चूक हुई है, नहीं मांगेंगे तो राजनीतिक रूप उनको और कांग्रेस का नुकसान होगा।

नई सुबह और नई उम्मीदों के साथ नए साल का स्वागत है

समसामायिक
अजीत द्विवेदी

उम्मीद-ए-सहर की बात सुनो!

नई सुबह और नई उम्मीदों के साथ नए साल का स्वागत है। बीता हुआ साल अच्छा नहीं था। अप्रैल में पहलगाम में बड़ा आतंकवादी हमला हुआ था, जिसमें

देश के अलग अलग हिस्सों के 25 बेकसूर सैलानियों और एक स्थानीय कश्मीर व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी। उसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई में 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए छह और सात मई की दरम्यानी रात को आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया लेकिन दुर्भाग्य से यह ऑपरेशन पाकिस्तान के साथ सीमित युद्ध में बदल गया।

पहले के बालाकोट या उरी स्ट्राइक से उलट पाकिस्तान ने जवाबी हमला कर दिया। इसका अंत 10 नवंबर को बिल्कुल अप्रत्याशित तरीके से हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का ऐलान किया। उसके बाद से वे करीब एक सौ बार कह चुके हैं कि उन्होंने व्यापार बंद करने और टैरिफ बढ़ाने का दबाव डाल कर भारत और पाकिस्तान को सीजफायर के लिए तैयार कराया। इसके बाद साल के अंत में राजधानी दिल्ली में लाल किले के सामने कार बम धमाका हुआ, जिसमें एक दर्जन से ज्यादा लोग मारे गए। इन दो घटनाओं ने सरकार के बनाए सुरक्षा नैरेटिव को पूरी तरह से बदल दिया।

जुलाई का महीना एक अलग स्ट्राइक लेकर आया, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका जाने वाले भारत के उत्पादों पर पर 25 फीसदी का टैरिफ लगाया और रूस से तेल खरीदने की सजा देते हुए 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगाया। इसके बाद से भारतीय मुद्रा यानी रुपए में गिरावट का ऐसा सिलसिला चला है कि एक डॉलर 90 रुपए से ज्यादा का हो गया है। भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में पूरी तरह से भारत विरोधी माहौल बन गया है, जिसका फायदा पाकिस्तान और चीन दोनों उठा रही हैं। शेख हसीना के तख्तापलट और उनके भारत आने के बाद से हिंदुओं पर हो रहे हमलों में पिछले साल अचानक तेजी आई।

हिंदुओं पर हमले की दर्जनों घटनाएं हुई हैं और दिसंबर 2025 के आखिरी 15 दिन में तीन हत्याएं हुईं। वहां हालात 1971 जैसे बन रहे हैं और उसी तरह शरणार्थियों के भारत की सीमा पर जमा होने की आशंका बन गई है। नेपाल में भी सत्ता परिवर्तन हुआ और केपी शर्मा ओली का तख्तापलट करा कर जेन जी ने सुशीला कार्की को सत्ता सौंपी। एक तरह से पूरा साल भारत के लिए सामरिक नीति, कूटनीति और अर्थनीति तीनों में नैरेटिव गंवाने का रहा। दुनिया निश्चित रूप से दुविधा में रही कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में सचमुच क्या हुआ था? उधर पाकिस्तान ने दुनिया की तीनों महाशक्तियों अमेरिका, रूस और चीन का सद्भाव हासिल किया। उसके सेना प्रमुख का व्हाइट हाउस में स्वागत हुआ।

अगर घरेलू राजनीति की बात करें तो सरकार का विपक्ष के साथ टकराव बढ़ता गया है। 2024 में लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के बाद भाजपा की जीत का जो सिलसिला हरियाणा, महाराष्ट्र में बना वह 2025 में दिल्ली और बिहार में जारी रहा। लेकिन लगातार जीत के बावजूद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व लोकसभा में बहुमत गंवाने के बाद से सहज नहीं हो पाया है। मुख्य विपक्षी पार्टी ने 'वोट चोरी' को ऐसा मुद्दा बनाया है, जिससे देश की पूरी चुनाव प्रक्रिया संदेह के घेरे में आई है। दुर्भाग्य की बात है कि चुनाव आयोग लोगों का संशय दूर करने की बजाय विपक्ष के विरोधी की तरह बरताव कर रहा है। विपक्ष की दूसरी पार्टियां 'वोट चोरी' के मामले में भले कांग्रेस के साथ पूरी तरह से सहमत नहीं हैं लेकिन संसद में चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान सबने चुनाव आयोग के पक्षपात का मुद्दा बनाया। चुनाव प्रक्रिया पर बन रहा अविश्वास अंततः लोकतंत्र को कमजोर करेगा। मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर एक सही कदम है लेकिन इसे जिस तरह से जल्दबाजी में लागू किया गया उससे संदेह पैदा हुआ है। 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हुई एसआईआर की प्रक्रिया में कई तरह की कमियां सामने आई हैं। भारत में राजनीति का विभाजन जितना गहरा हुआ है उसी अनुपात में समाज का विभाजन भी बढ़ा है। यह सामाजिक विभाजन लंबे समय में भारत की एकता और अखंडता को प्रभावित करने वाला होगा।

सो, नए साल में गालिब की तरह यह तो नहीं कह सकते हैं कि, 'एक बिरहमन ने कहा है कि ये साल अच्छा है', लेकिन फैज की तरह 'सहर की बात उम्मीद-ए-सहर की बात' यानी कर सकते हैं। उम्मीद कर सकते हैं कि सब कुछ ठीक होगा। भारत ने ब्रिटेन से लेकर न्यूजीलैंड कर सात देशों के साथ मुक्त व्यापार संधि की है और उम्मीद है कि नए साल में जनवरी या फरवरी में अमेरिका के साथ व्यापार संधि हो जाएगी। अमेरिका के साथ व्यापार संधि से बहुत कुछ बदलेगा। भारत का अलगाव समाप्त होगा। टैरिफ कम होगा, जिससे निर्यात बढ़ेगा और आर्थिकी पर दबाव कम होगा। यूरोपीय संघ के साथ भी भारत की व्यापार वार्ता अंतिम चरण में है। इससे भारत की आर्थिकी में एक ठहराव आने की उम्मीद है। अमेरिका के साथ व्यापार संधि होने के बाद कूटनीतिक मोर्चे पर भी भारत को निश्चित रूप से फायदा होगा। नेपाल में भी नए साल के शुरू में चुनाव होने वाले हैं। वहां भी राजनीतिक स्थिरता आती है तो भारत के लिए बेहतर होगा।

नए साल में फरवरी में बांग्लादेश में चुनाव होना वाले हैं। हालांकि शेख हसीना की आवामी लीग के चुनाव लड़ने पर पाबंदी है लेकिन बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी चुनाव लड़ रही है। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री रहीं बेगम खालिदा जिया का निधन हो गया है लेकिन उससे ठीक पहले उनके बेटे तारिक रहमान अपने वतन लौट आए और चुनाव में अपनी पार्टी बीएनपी का नेतृत्व कर रहे हैं। जनरल इरशाद की जातीय पार्टी भी मुकाबले में है। जमात ए इस्लामी भी चुनाव लड़ रही है। सो, चुनाव लड़ रही लगभग सभी पार्टियों का रुख भारत विरोधी रहा है। फिर भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनी गई सरकार के साथ संवाद बहाल बेहतर होगा और उम्मीद कर सकते हैं कि हिंदुओं पर हमले रुकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय और आर्थिक मोर्चे पर स्थिरता के बाद भी ऐसा लग रहा है कि नए साल में लेकिन घरेलू राजनीति का मैदान टकराव वाला बना रहेगा। अप्रैल और मई में पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा के चुनाव हैं। पश्चिम बंगाल और असम का चुनाव बहुत ज्यादा कटुता बढ़ाने वाला होगा। भारत में चुनाव पिछले कुछ समय से जंग की तरह लड़े जा रहे हैं। इसमें इतनी कटुता पैदा होती है कि चुनाव के बाद भी वह समाप्त नहीं होती है। पहले पार्टियां और देश की जनता भी चुनाव के समय राजनीतिक टकराव के मोड में आती थी और चुनाव के बाद सब पहले जैसा सामान्य हो जाता था। लेकिन अब सालों भर राजनीति और समाज की खदबदाहट बनी रहती है। इससे सामाजिक विभाजन बढ़ता जा रहा है और टकराव की आशंका स्थायी रूप से बनी रहती है।

सरकार बीते साल को सुधारों का साल बता रही है क्योंकि उसमें श्रम कानूनों को बदला गया। भारत की परमाणु ऊर्जा नीति को बदला गया। रोजगार गारंटी की योजना बदली गई। सरकार ने 'एक देश, एक चुनाव' का बिल पेश किया, जिस पर संयुक्त संसदीय समिति में विचार हो रहा है तो जेल जाने वाले विधायकों, सांसदों को पद से हटाने का कानून भी लाया जा रहा है। इसके बिल पर भी संयुक्त संसदीय समिति विचार कर रही है। जो कानून बन गए हैं वो भी जो बिल लाए गए वो भी, सब टकराव बढ़ाने वाले हैं और विपक्ष इसके लिए कमर कस कर तैयार है। महात्मा गांधी नरेगा की जगह लाए गए विकसित भारत जी राम जी बिल पर तो जनवरी के पहले हफ्ते से ही कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन शुरू होने वाला है। सो, कह सकते हैं कि चुनाव और राजनीति के मोर्चे पर नए साल में टकराव बना रहेगा।

इंसाफ का पोस्टमार्टम

कटाक्ष
डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

सफेद कुर्ते और कड़कीली इस्तरी वाली पतलून पहने 'बड़े चौधरी' गाँव की चौपाल पर पधारे। हाथ

में चमचमाता टैबलेट था और बगल में खड़े कारिंदे पंखा झल रहे थे। सामने वो बदनसीब खड़ा था जिसकी बेटी की आबरू तार-तार हो गई थी।

बड़े चौधरीः रे बावले, यूँ रोए जावे है! आँसू पोंछ और ये बता कि जब यो कांड होया, उस बखत हवा की रफ़्तार के थी?

पीड़ित पिताः साहब, हवा का के करना? मेरी तो दुनिया उजड़ गई।

बड़े चौधरीः (झुंझलाकर) तन्ने समझ कोन्या आवे! देख, अगर हवा तेज़ होती तो तेरी छोरी की चिल्लाहट दूर तक जाती। जे हवा धीरे थी, तो यो 'लोकल कम्युनिकेशन' का फेलियर है। हम सोच रहे हैं कि हर खेत में एक 'लाउडस्पीकर' लगवा दें, ताकि जब कोई हाथ लगावे, तो छोरी सीधा रागनी गा दे और सारा गाम जाग ज्या।

एक ग्रामीणः चौधरी साहब, वे लड़के तो नशे में धुत थे, सरेआम घूम रहे थे।

बड़े चौधरीः नशा? अरे भाई, वो नशा नहीं था, वो तो 'फ्रस्ट्रेशन' था। उन छोरों ने पढ़ाई करी, पर नौकरी कोन्या मिली। अब खाली दिमाग तो शैतान का घर होवे है। अब वे शैतानी खेत में नहीं करेंगे तो के लाइब्रेरी में जाकर करेंगे? हमें समझना होगा कि ये 'बायोलॉजिकल डिजास्टर' है। अच्छा ताऊ, एक बात बता, तेरी छोरी ने भागने की कोशिश करी थी के खड़ी रही?

पिताः साहब, वे चार थे, पापी थे... वो बेचारी कहाँ भागती?

बड़े चौधरीः न्यूं कोन्या काम चाले! देख, हमने डेटा निकाला है कि अगर पीड़ित 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ़्तार से भागे, तो बलात्कारी उसे पकड़ नहीं सकता। हम गाम की हर छोरी को 'पीटी उषा' बनाने की ट्रेनिंग देंगे। जुल्म रोकना हमारा काम कोन्या, जुल्म से तेज भागना सिखाना हमारा विजन है।

तभी साहब ने अपने टैबलेट पर कुछ ग्राफ दिखाए और बोलेः

हमने फैसला किया है कि जिस खेत में ये हादसा हुआ, उस खेत की मिट्टी का सैम्पल लैब में भेजेंगे। अगर मिट्टी ज्यादा मुलायम हुई, तो कसूर जमींदार का है क्योंकि लड़कों को फिसलने का डर नहीं था। और सुनो, आइंदा से कोई छोरी रात को बाहर निकले तो साथ में 'आधार कार्ड' जरूर रखे, ताकि अपराधी को पता रहे कि वो किसके साथ गलत कर रहा है। बिना पहचान के तो बेचारे लड़के कन्फ्यूज हो जाते हैं।

गाँव का एक बुजुर्गः साहब, उन दरिंदों को फांसी कड़ थानी (कब तक) होगी?

बड़े चौधरीः (हँसते हुए) फांसी? अरे ताऊ, फांसी देने से रस्सी खराब होती है और ग्लोबल वार्मिंग बढ़ती है। हम तो उन छोरों का 'हृदय परिवर्तन' करेंगे। उन्हें तीन महीने तक 'नैतिक शिक्षा' की रील दिखाई जाएगी। हमें अपराधी से नफरत नहीं करनी, उसके 'एक्शन' को 'इग्नोर' करना सीखना है।

अंत में चौधरी साहब गाड़ी में बैठते हुए बोले– देखो भाई, गाम की इज्जत गाम के हाथ में। छोरियों को कहो कि वे मार्शल आर्ट सीखें और लड़कों को हम कहेंगे कि वे फोटो खींचते वक्त फ्लैश कम इस्तेमाल करें। आखिर हमें डिजिटल इंडिया भी तो बनाना है!

चमचमाती गाड़ी धूल उड़ाती चली गई। पीछे रह गया वो पिता, जो अब ये सोच रहा था कि उसकी बेटी के साथ 'हादसा' हुआ था या साहब के लिए कोई 'प्रोजेक्ट रिपोर्ट' तैयार हुई थी।

राशिफल

मेषः नया साल आपके लिए धन संबंधी मामलों में अच्छा रहेगा। आर्थिक क्षेत्र में किए गए सकारात्मक प्रयास अनुकूल परिणाम देंगे। इस साल वाहन या मकान भी खरीदने संभावना बन सकती है। सामाजिक या कार्यक्षेत्र में इष्ट मित्रों की सहायता से मुश्किलें कम होंगी।

वृषः आपके लिए नए साल का पहला दिन मिले-जुले अनुभव लेकर आया है। आप अपनी बुद्धि और विवेक से कार्य क्षेत्र में मनचाहा परिणाम प्राप्त करेंगे। व्यापारियों को व्यवसाय में लाभ के योग हैं। इस साल आपके आय के नए स्रोत के सृजन होने के प्रबल योग बन रहें हैं।

मिथुनः आपको अनावश्यक और तनाव पूर्ण बातों से दूर रहना चाहिए। बच्चों की शिक्षा के संबंध में यात्रा भी करनी पड़ सकती है। इस सिलसिले में कहीं न कहीं भाग-दौड़ बनी रहेगी। बैंकिंग और फाइनेंस से संबंधित जातकों को थोड़ी मंदी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्कः नववर्ष आपके लिए अत्यन्त सुखद रहने वाला है। आपकी किस्मत पलट सकती है। अगर आप सरकारी नौकरी पेशा हैं, किसी प्राइवेट सेक्टर में कार्यरत हैं या फिर व्यावसायिक हैं।

सिंहः आपके लिए दिन मिला-जुला रह सकता है। कार्य-क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्यों में संघर्ष की स्थिति बन सकती है परन्तु अपनी सूझबूझ से काम को पूरा कर लेंगे, जिससे आनंद की प्राप्ति होगी। आर्थिक दृष्टि से यह साल आपके अनुकूल रहेगा।

कन्याः यह साल आपके जीवन में समृद्धि लेकर आया है। भाग्य का पूरा साथ आपको मिलेगा। नौकरी या व्यवसाय में जिस भी काम को आगे बढ़ाने की योजना बनाएंगे उसमें आपको सफलता हासिल होगी।

तुलाः आपके जीवन के अधिकांश क्षेत्रों में नववर्ष सकारात्मक रहेगा। सरकारी या प्राइवेट सेक्टर में काम कर रहे जातकों के लिए तरक्की के लिए मार्ग प्रशस्त होंगे। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

वृश्चिकः इस साल आपको भाग्य का अच्छा साथ मिलने वाला है। आप अपने ज्यादातर कार्य सफलतापूर्वक संपन्न करेंगे। आपके प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और आप अपने लवलाइफ के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे।

धनुः आपके लिए नया साल अच्छे फल प्रदान करने वाला साबित होगा। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का निराकरण होगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र से अच्छी खबर मिलेगी।

मकरः आपके लिए यह साल शानदार रहने वाला है। जो लोग नौकरीपेशा हैं उन्हें नौकरी में और जो स्वयं का व्यापार करते हैं उन्हें व्यवसाय में बेशुमार लाभ के योग की संभावना है। यह आपके जीवन में बदलाव देखने लेकर आने वाला है।

कुम्भः यह साल आपके लिए मनोवांछित सफलता दिलाने वाला साल रहेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में प्रगति के संकेत हैं। वांछित सफलता प्राप्त करने के लिए आप अपने बड़ों से सलाह और सहयोग ले सकते हैं।

मीनः यह साल आपके लिए कुछ खट्टे कुछ मीठे अनुभव लेकर आएगा। आपका संपर्क नए व्यक्तियों से हो सकता है, जिनकी मदद से व्यवसाय में लाभ होगा। नौकरी कर रहे लोगों को अविश्वसनीय रूप से सफलता मिल सकती है।

इन्दौर की जल-त्रासदी और प्रशासनिक लापरवाही का नंगा चेहरा

चिंतन
ललित गर्ग

स्वच्छता रैंकिंग में लगातार टॉप पर आने वाले इंदौर में दूषित पेयजल की वजह से हुई

मौतें कथनी और करनी की असमानता की पौल खोलती भयावह लापरवाही का नतीजा हैं। स्थानीय लोगों का यह आरोप बेहद गंभीर है कि पानी की क्वॉलिटी को लेकर लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई और दुर्भाग्य से इतनी बड़ी वारदात के बाद भी अदालत को दखल देकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने का आदेश देना पड़ रहा है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं है और न ही इसे तकनीकी खामी कहकर टाला जा सकता है। यह घटना उस व्यवस्था का क्रूर और नंगा सच है, जो स्वच्छता के तमगों से सजी हुई है लेकिन भीतर से सड़ चुकी है। जिस शहर को लगातार सात वर्षों तक देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया जाता रहा, वहीं दूषित पेयजल के कारण पंद्रह निर्दोष लोगों की मौत हो जाना पूरे तंत्र पर एक गहरा प्रश्नचिह्न है। यह त्रासदी साबित करती है कि चमकदार रैंकिंग और पुरस्कार जीवन की वास्तविक सुरक्षा का विकल्प नहीं हो सकते। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर का पानी मिल गया, जिससे हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। सौ से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए, सैकड़ों बीमार पड़े और अनेक परिवार हमेशा के लिए उजड़ गए। सभ्य समाज में यह कल्पना ही आत्मग्लानि से भर देने वाली है कि जिस पानी को जीवनदायिनी मानकर पिया गया, वही सीवर की गंदगी से मिला हुआ था।

सबसे अधिक पीड़ादायक तथ्य यह है कि यह सब अचानक नहीं हुआ। नागरिकों ने पहले ही दूषित पानी की शिकायतें की थीं। पानी के रंग, गंध और स्वाद में बदलाव की जानकारी दी गई थी, लेकिन नगर निगम, जलप्रदाय विभाग और स्वास्थ्य तंत्र कुंभकर्णी नींद में सोए रहे। प्रशासन तब हरकत में आया जब मौतें हो चुकी थीं। यह लापरवाही नहीं, बल्कि गहरी संस्थागत असंवेदनशीलता, क्रूरता एवं अमानवीयता है। यह उस प्रशासनिक संस्कृति का परिणाम है जिसमें फाइलें और औपचारिकताएं मानव जीवन से अधिक मूल्यवान हो गई हैं। सवाल यह नहीं है कि पानी में सीवर कैसे मिला, असली सवाल यह है कि चेतावनियों के बावजूद इसे रोका क्यों नहीं गया? हर बार की तरह इस बार भी जांच समितियां बनीं, मुआवजे की घोषणाएं हुईं और कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। भले ही अपर नगर आयुक्त को इंदौर से हटा दिया है और प्रभारी अधीक्षण अभियंता से जिम्मेदारी वापस ले ली है। लेकिन, क्या इतना काफी है? इस तरह की 'रूटीन' कार्रवाई जिम्मेदारों को सबक नहीं देतीं, बल्कि पीड़ितों का मजाक बनाती हैं। क्या इन दिखावे की कार्रवाइयों से मृतकों का प्रायश्चित हो गया? क्या इससे भविष्य में ऐसी घटनाएं रुकेंगी? सच्चाई यह है कि जांच समितियां अब जवाबदेही तय करने का नहीं, बल्कि मामले को ठंडा करने का माध्यम बन चुकी हैं।

इस दुखद घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी ने लोगों के घावों को और गहरा किया। जिस क्षेत्र में यह त्रासदी घटी, उसके प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का विभाग आता है, उनकी असंवेदनशील टिप्पणियों ने जनता के आक्रोश को बढ़ाया। बाद में खेद प्रकट किया गया, लेकिन सवाल यह है कि खेद से क्या उन परिवारों का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया? यह सही है कि उमा भारती जैसी वरिष्ठ नेत्री ने दोषियों से प्रायश्चित और दंड की मांग की, लेकिन देश का अनुभव बताता है कि ऐसी मांगें अक्सर समय के साथ फीकी पड़ जाती हैं। मध्य प्रदेश में डबल इंजन वाली सरकार का खूब प्रचार किया जाता है, लेकिन इंदौर की घटना ने दिखा दिया कि यदि व्यवस्था की पटरियां जर्जर हों, तो इंजन कितने भी हों, दुर्घटना तय है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण की बात कही थी और जीवन को सुगम बनाने के लिए प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने पर जोर दिया था। लेकिन जब नागरिकों को स्वच्छ जल, स्वच्छ हवा, स्वस्थ चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं ही सुरक्षित रूप से उपलब्ध न हों, तो जीवनयापन को सुगम बनाने की बात खोखली लगती है। सर्वोच्च न्यायालय बार-बार स्पष्ट कर चुका है कि स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित जल का अधिकार संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की यह त्रासदी इस अधिकार का खुला उल्लंघन है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर पानी में जहरीला पदार्थ मिलाए और उससे लोगों की मौत हो जाए, तो वह गंभीर अपराध माना जाता है। फिर जब प्रशासन की लापरवाही से जहरीला पानी घर-घर पहुंचता है और लोगों की जान जाती है, तो उसे अपराध क्यों नहीं माना जाए? यह गैर-इरादतन हत्या से कम गंभीर मामला नहीं है।

इंदौर की घटना यह भी उजागर करती है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और चमकदार प्रचार व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। सड़कें साफ हो सकती हैं, दीवारें रंगी जा सकती हैं, लेकिन यदि पाइपलाइनों के भीतर जहर बह रहा है, तो ऐसा विकास जनता के साथ छल है। यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है। देश के अनेक छोटे-बड़े शहरों में जर्जर पाइपलाइनें, अवैज्ञानिक सीवर व्यवस्था और भ्रष्ट ठेकेदारी तंत्र वर्षों से नागरिकों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कहीं हैजा फैलता है, कहीं पीलिया, कहीं दस्त और संक्रमण, लेकिन हर बार इसे स्थानीय समस्या कहकर टाल दिया जाता है। अब सवाल यह है कि क्या इंदौर की पंद्रह मौतें भी प्रशासन को जगाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं? क्यों नहीं ऐसी घटनाओं को आधार बनाकर प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई का बुलडोजर चलाया जाता? आज जब अवैध निर्माणों और गरीब बस्तियों पर बुलडोजर चल सकता है, तो प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार पर क्यों नहीं? क्यों उन अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज नहीं होते, जिनकी अनदेखी से लोगों की जान चली जाती है? क्यों सेवा से बर्खास्तगी और जेल की सजा जैसे कठोर कदम नहीं उठाए जाते?

यह घटना पूरे देश के लिए चेतावनी है। सभी राज्यों और स्थानीय निकायों को पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का गंभीरता से ऑडिट करना चाहिए। मुख्य पाइपलाइनों का नियमित निरीक्षण हो, सीवर और जल आपूर्ति लाइनों के बीच सुरक्षित दूरी सुनिश्चित की जाए और यह स्पष्ट तय हो कि किस स्तर का अधिकारी किस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार होगा। जवाबदेही केवल कागजों में नहीं, व्यवहार में दिखनी चाहिए। जब तक लापरवाही को अपराध नहीं माना जाएगा और दोषियों को वास्तविक दंड नहीं मिलेगा, तब तक ऐसी त्रासदियां दोहराती रहेंगी। आज भी देश में हर एक लाख आबादी पर औसतन लगभग 35 लोगों की दूषित पेयजल की वजह से जान जाती है। ग्लोबल एवरेज की तुलना में यह लगभग तीन गुना है। बेशक सरकार ने जल जीवन मिशन जैसे अभियान चलाए हैं, जिसकी बदौलत करीब 81 प्रतिशत ग्रामीण घरों में टैप वॉटर पहुंचाने का दावा है, लेकिन अब भी सुधार की बहुत जरूरत है। भारत ने 2047 तक विकसित देशों की कतार में खड़े होने का लक्ष्य रखा है, लेकिन पहले आम लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना होगा। 2050 तक भारत की आबादी 1.7 अरब तक होने का अनुमान है और तब पानी के संसाधनों पर और दबाव पड़ेगा। देश को बेहतर वॉटर मैनेजमेंट के साथ सिस्टम को सुधारने की जरूरत है, तभी इस चुनौती का सामना किया जा सकता है।

इंदौर की घटना केवल शोक व्यक्त करने का विषय नहीं है, यह व्यवस्था परिवर्तन की पुकार है। यदि इसे भी एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा कहकर भुला दिया गया, तो कल किसी और शहर में, किसी और गली में, कोई और परिवार इसी पीड़ा से गुजरेगा। जनता को अब नारों, पुरस्कारों और रैंकिंग से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। उसे सवाल पूछने होंगे, जवाब मांगने होंगे और यह सुनिश्चित करना होगा कि स्वच्छ भारत केवल झाड़ू और प्रचार से नहीं, बल्कि जवाबदेही, ईमानदारी और संवेदनशील प्रशासन से बने। यदि इंदौर की पंद्रह मौतें भी व्यवस्था की नींद नहीं तोड़ सकीं, तो यह मानना पड़ेगा कि गंदगी केवल पानी की पाइपलाइन में नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की नसों में बह रही है।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

शब्द-सामर्थ्य 278

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे
1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 270 का हल

अं	त		म	री	ज			
ग	ह	न	ता		ब	र	ब	स
	की		धि	क्का	र		र	मा
	का		का		द	वा	खा	ना
प	त	वा	र		स्त	र		
ह						दा	मि	नी
ना		ए	ह	ति	या	त		लां
वा	च	क		हा			खू	ब
		ता	ब	ड़	तो	ड़		र

सु-दोकू 278

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.270 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

बगैर अनुमति चल रहा था मकान निर्माण, पालिका ने थमाया नोटिस, काम बंद

- सड़क किनारे लगाई लांड्री की दुकान, सर्वे कर दे दिया पट्टा
- घर बना नहीं उससे पहले पालिका ने दे दिया नल कनेक्शन, मीटर भी लग गया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 3 जनवरी। नगर पालिका क्षेत्र दंतेवाड़ा में स्टेट बैंक चौक से कटेकल्याण जाने वाले मार्ग पर जहां बैंक की चारदीवारी एवं नाली से सटाकर बगैर अनुमति सड़क के किनारे एक मकान का निर्माण किया जा रहा था। शिकायत पर पालिका ने संबंधित को नोटिस जारी कर निर्माण कार्य बंद करवा दिया है। नाली से सटाकर नींव के गढढे खोदे जाने की शिकायत वार्डवासियों ने पालिका एवं तहसीलदार से किया था। वार्डवासियों का यह भी आरोप है कि अपात्र व्यक्ति जो बाहर प्रदेश ये यहां आकर कमाने खाने की नियत से सड़क किनारे ठेला लगाकर कपड़े प्रेस करने का काम कर रहा था उसे गलत तरीके से पटटा जारी कर दिया है। उक्त जारी पटटे को जांच कर निरस्तीरण करने की मांग भी वार्डवासियों की ओर से की गई है।

गौरतलब है कि नगर के वार्ड क्रमांक 12 में उड़ीसा से आकर बैंक कालोनी के बाउंड्रीवाल से लगी सड़क के किनारे त्रिपाल लगाकर वहां एक व्यक्ति बीते कुछ सालों से कपड़ा प्रेस की दुकान संचालन कर रहा था। उसे राजस्व विभाग द्वारा आवासीय पटटा जारी किया गया था। संबंधित व्यक्ति द्वारा उसी पटटे का सहारा लेकर पीएम आवास भी स्वीकृत करवा लिया जाता है। जिसके बाद वहां मकान निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। चूंकि जहां मकान बनाया जा रहा है वह जगह ब्लाक कालोनी की है और वहां मकान बनाने लायक भूमि नहीं है बावजूद उक्त स्थल पर सर्वे के दौरान राजस्व एवं पालिका की टीम ने वैध भूमि मानते हुए पटटा जारी कर दिया था। उसी स्थल पर अब पटटाधारी द्वारा मकान दुकान बनाने की तैयारी की जा रही है जिसको लेकर वार्डवासियों ने इसकी शिकायत तहसीलदार एवं पालिका सीएमओ से किया था। लोगों का कहना है कि घर बनाने के लिए खोदी गई नींव एकदम नाली से सटाकर खोदा गया है। शिकायत के बाद मौका मुआएना कर पालिका ने मकान निर्माण करने वाले व्यक्ति को पालिका से बगैर अनुमति मकान निर्माण पर नोटिस थमा दिया है और काम को बंद करवा दिया है। वार्डवासियों का कहना है कि वहां घर बनने से पीछे कालोनी में रहने वालों के घरों में गंदा पानी आ सकता है टॉयलेट इत्यादि बनने से भी परेशानी बढ़ेगी। बैंक के बाउण्ट्रीवाल के पीछे स्थित यह भूमि खाली पड़ी हुई थी और यह भूमि सरकारी है लिहाजा इस जगह पर आखिर कैसे पटटा जारी किया ? यह अपने आपमें बडा सवाल है। ईधर मकान बनाने वाले दंपत्ति का कहना है कि उन्हें सर्वे के बाद पटटा मिला है लिहाजा वे मकान अतिक्रमण कर नहीं बल्कि पटटे की जगह पर बनाया जा रहा था। इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। बहरहाल बताते चलें कि इस पूरे प्रकरण में पालिका एवं राजस्व विभाग पर प्रश्न चिन्ह लगता है कि आखिर किस नियम के तहत खाली पड़े नजूल भूमि पर पटटा जारी किया गया? सड़क एवं नाली के किनारे पटटा देने की आखिर क्या वजह थी? नियमतः घर बनाने के लिए चारों दिशाओं में कम से कम 2 फीट की जगह छोड़ना होता है। पटटाधारी को पालिका से नल कनेक्शन जारी कर दिया गया है। बिजली विभाग ने भी उनके नाम मीटर गाड़ दिया है। कुल मिलाकर जिम्मेदार विभाग एवं अधिकारियों की अकर्मण्यता एवं लापरवाही के चलते अपात्र लोगों को यहां पटटा जारी किया जा रहा है जिसका अब पुरजोर विरोध होने लगा है। वार्डगवासियों ने तहसीलदार एवं नगर पालिका प्रशासन को इस पर तुरंत ही रोक लगाते हुए पट्टा निरस्तीकरण की मांग की है।

एक नजर

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायत तुड़पारास का किया निरीक्षण

दंतेवाड़ा, 3 जनवरी । जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा ने आज ग्राम पंचायत तुड़पारास का निरीक्षण कर पंचायत क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री नाहटा ने ग्राम पंचायत में चल रहे निर्माण कार्यों का अवलोकन करते हुए उनकी गुणवत्ता, प्रगति एवं निर्धारित समय-सीमा की जानकारी ली। उन्होंने कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया, जहां बच्चों तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को दी जा रही सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। आवश्यक सुधार हेतु संबंधित कर्मचारियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सीईओ ने हितग्राहियों से संवाद किया तथा आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कर पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इसके साथ ही जल शक्ति अभियान के अंतर्गत किए जा रहे जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों का निरीक्षण किया गया। सीईओ श्री नाहटा ने जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन एवं ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान पंचायत एवं विभागीय अधिकारी, सरपंच, सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। सीईओ श्री नाहटा ने कहा कि शासन की योजनाओं का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना है तथा इन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका के पद के लिए 10 दिवस के भीतर कर सकते हैं दावा-आपत्ति

दंतेवाड़ा, 3 जनवरी । एकीकृत बाल विकास परियोजना किरंदुल से प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र कोड़ेनार ठेकेदारपारा, अरनपुर पटेलपारा, चोलनार कोटवारपारा, पेरपा गुज्जापारा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका के रिक्त पद की भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया था। प्राप्त आवेदन का निर्धारित मापदण्ड अनुसार पैनल तैयार किया जा चुका है जिसका मूल्यांकन समिति द्वारा परीक्षण भी किया जा चुका है। अतः पैनल सूची परियोजना कार्यालय किरन्दुल एवं जनपद पंचायत कुआकोण्डा तथा संबंधित ग्राम पंचायत के सूचना पटल पर प्रदर्शित किया जा रहा है, जिसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि होने संबंधी सुधार हेतु अभ्यार्थियों से दावा आपत्ति प्रकाशन दिनांक के 10 दिवस के भीतर दावा आपत्ति आमंत्रित की जा रही है। ताकि वरीयता के आधार पर नियुक्ति कार्यवाही को अंतिम रूप दिया जा सके। समय सीमा के भीतर आवेदन प्राप्त नहीं होने की स्थिति में विचार नहीं की जावेगी।

टोनही के शक में महिला की हत्या मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नारायणपुर,3 जनवरी । जिले के अबूझमाड़ के थाना सोनपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम इरपानार में जादू-टोना के संदेह में 48 वर्षीय महिला शैली बाई की हत्या कर दी गई, घटना 31 दिसंबर की शाम लगभग 7 बजे की है। मृतका के पति लक्ष्मण मेटामी जब अपने साले के घर आग तापने गए हुए थे, उसी दौरान मुख्य आरोपी पंडी राम वड्डे अपने साथियों के साथ जबरन घर में घुस आया, उस दौरान दौरान उसकी पत्नी शैली बाई मेटामी घर में अकेली थी। आरोपियों ने लकड़ी के डंडे एवं फरसा की बेंट से महिला के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह तथ्य स्पष्ट रूप से सामने आया है कि महिला की हत्या अंधविश्वास एवं जादू-टोना के संदेह के चलते की गई, क्षेत्र में फैली ऐसी कुरीतियों ने एक निर्दोष महिला की जान ले ली। नारायणपुर सं मिली जानकारी के अनुसार घटना की सूचना पर थाना सोनपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 103, 3 (5) तथा आर्ट्स एक्ट की धारा 25 के अंतर्गत अपराध क्रमांक 12/2025 पंजीबद्ध कर विवेचना में लेते हुए मामले के मुख्य आरोपी पंडी राम वड्डे को पुलिस ने आज शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है

लाखों का बारदाना व फोर्टिफाइड चांवल जलकर खाक

दंतेवाड़ा, 3 जनवरी । जिला मुख्यलय के समीप औद्योगिक क्षेत्र टेकनार में स्थित अनिशा राइस मिल में आज शुक्रवार सुबह करीब 3 बजे के आस-पास आग लग गई जिससे राइस मिल के अंदर रखा लाखों का बारदाना एवं फोर्टिफाइड चांवल जलकर खाक हो गया। सुकून की बात यह रही कि इस आगजनी में कोई हताहत नहीं हुआ है,

दो सड़क हादसे में एक बुजुर्ग महिला सहित तीन की हुई मौत

कोंडागांव, 3 जनवरी । जिले के संत सेवालाल चौक पर सीमेंट से लदी एक ट्रक ने आज शुक्रवार सुबह एक बुजुर्ग महिला को कुचल दिया, जिससे महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। महिला के वृद्धाश्रम से जुड़ी होने की जानकारी सामने आई है । विदित हो कि बीते 24 घंटे में जिले में हुए दो सड़क हादसों में तीन लोगों की जान जा चुकी है। नववर्ष की पहली ही रात कोंडागांव जिले में दर्दनाक सड़क हादसे में कोंडागांव-उमरकोट मार्ग पर भगदेवा चढ़ाव के पास गुरुवार रात करीब 8 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में मोटर साइकिल सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार दोनों युवक कोंडागांव से काम कर मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रहे थे, तभी सड़क पर खड़ी एक पीकअप वाहन से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में मृतक दोनों युवक सगे भाई बताए जा रहे हैं, जो ग्राम बेड़ा के निवासी थे। घटना की सूचना मिलते ही कोंडागांव पुलिस मौके पर पहुंचकर शवों को एंबुलेंस की सहायता से कोंडागांव जिला अस्पताल भिजवाया। आज शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

रायपुर, 3 जनवरी। छत्तीसगढ़ में बाल अधिकारों की सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सूरजपुर जिले के ओडगी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत विशालपुर में बाल संरक्षण पर केंद्रित व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग, यूनिसेफ तथा एग्रिकॉन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला विशालपुर एवं हाई सेकेंडरी स्कूल नवाटोला में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।कार्यक्रम का संचालन ओडगी ब्लॉक के नवनियुक्त समन्वयक श्री कृष्ण कुमार गुर्जर एवं श्री धनराज जगते के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर दोनों विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

दो भालुओं ने एक महिला पर किया हमला, घायल

कांकेर, 3 जनवरी। जिले के चारामा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तेलगुड़ा में वन्य प्राणी दो भालुओं ने एक महिला पर हमला कर दिया। इस हमले में महिला सत्या कोसारिया गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे चारामा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों के अनुसार यह घटना आज शुक्रवार सुबह करीब 6 बजे हुई, जब महिला अपने घर के आंगन में झाड़ू लगा रही थी । इस दौरान दो भालुओं ने अचानक उन पर हमला कर दिया। महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर घरवाले बाहर निकले। लोगों को आता देख भालू जंगल की ओर भाग निकले, हमले में महिला के सिर, पीठ और कमर पर गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें तत्काल चारामा अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में भालुओं के दिखने और हमले की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। वन विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई के प्रयास नहीं किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर 3 जनवरी । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने एक दिवसीय दंतेवाड़ा प्रवास के दौरान आज बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के पावन मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने मां दंतेश्वरी के चरणों में नमन करते हुए समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और सर्वांगीण कल्याण की मंगलकामनाएँ कीं।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, सांसद श्री महेश कश्यप, विधायक श्री चैतराम अटामी, राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी, संस्कृति सचिव श्री रोहित यादव, आईजी बस्तर श्री सुंदरराज पी., डीआईजी श्री कमलोचन कश्यप, कलेक्टर श्री देवेश ध्रुव, पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

पारदर्शी एवं डिजिटल धान खरीदी व्यवस्था से प्रदेशभर में धान विक्रय हुआ सुगम

रायपुर, 3 जनवरी । राज्य सरकार द्वारा धान उपार्जन केन्द्रों में लागू की गई डिजिटल एवं पारदर्शी खरीदी व्यवस्था से प्रदेशभर के किसानों को उल्लेखनीय सुविधा मिल रही है। आधुनिक तकनीक आधारित व्यवस्थाओं के चलते धान विक्रय की प्रक्रिया सरल, सुगम और भरोसेमंद बन गई है, जिससे किसानों को सम्मानजनक अनुभव प्राप्त हो रहा है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में किसान 'तुंहर टोकन' मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे 24म7 धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त कर रहे हैं। इससे उपार्जन समितियों में अनावश्यक भीड़ और प्रतीक्षा समाप्त हुई है तथा किसानों के समय, श्रम और आर्थिक व्यय की बचत हो रही है। यह व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी और किसान-हितैषी सिद्ध हो रही है। इसी क्रम में सरगुजा जिले के अंबिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पोड़ी खुर्द के किसान श्री राजू लाल टेकाम ने धान विक्रय के दौरान मिली व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पर्याप्त वर्षा के कारण धान की पैदावार बेहतर रही है और उनके पास लगभग 100 क्विंटल धान उपलब्ध है। उन्होंने 'तुंहर टोकन' ऐप के माध्यम से घर बैठे 50 क्विंटल धान के लिए टोकन प्राप्त किया।किसान श्री टेकाम ने बताया कि निर्धारित तिथि पर शिवपुर धान उपार्जन केंद्र पहुंचने पर गेट पास जारी करने, नमी परीक्षण तथा बारदाना उपलब्ध कराने की प्रक्रिया तत्काल पूरी की गई, जिससे बिना किसी रुकावट के धान विक्रय संपन्न हुआ। उपार्जन केंद्र में पेयजल, छाया और बैठने की समुचित व्यवस्था भी की गई है।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किसानों को धान का 3100 रुपये प्रति क्विंटल का सर्वाधिक समर्थन मूल्य प्रदान किया जा रहा है तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की जा रही है। इससे किसानों की आय में वृद्धि हुई है और वे धान के साथ-साथ गेहूं, तिलहन एवं सब्जी जैसी अन्य फसलों की खेती कर अपनी आमदनी बढ़ा रहे हैं।किसान श्री टेकाम ने कहा कि वर्तमान धान खरीदी व्यवस्था ने किसानों का भरोसा मजबूत किया है और खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने धान खरीदी व्यवस्था से संतुष्टि व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

समय पर बारिश और बेहतर सरकारी व्यवस्था से किसान कृपाल सिंह खुशहाल

कोरबा 3 जनवरी । कोरबा विकासखंड के ग्राम तरदा निवासी किसान कृपाल सिंह लगभग 7 एकड़ जमीन में धान की खेती करते हैं। इस वर्ष समय पर अच्छी बारिश होने से उनकी खेती बिना किसी बाधा के सफल रही। परिवार के साथ मिलकर की गई मेहनत का परिणाम कुछ ही महीनों में खेतों में लहलहाती फसल के रूप में दिखाई देने लगा। खेत में लहलहाती फसल को देखकर उन्हें बेहद खुशी होती थी, क्योंकि यह सिर्फ धान नहीं बल्कि उनकी उम्मीदों और परिश्रम का फल था।

कृपाल सिंह बताते हैं कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को सही मूल्य मिलने की गारंटी होने से उनकी अपेक्षाएँ भी बढ़ी थीं। जब फसल पूरी तरह तैयार हो गई, तो उन्होंने अपना धान उपार्जन केंद्र कनकी में बेच दिया। लगभग 7 एकड़ में हुई खेती से उन्हें 100 क्विंटल से अधिक धान प्राप्त होता है, जिसमें से कुछ वे अपनी जरूरत के लिए रखकर बाकी बेच देते हैं।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष धान बिक्री से प्राप्त राशि से उन्होंने कुछ जमीन भी खरीदी थी, जिससे उनकी खेती और आजीविका दोनों मजबूत हुई हैं। कृपाल सिंह सरकार की उपार्जन व्यवस्था से संतुष्ट हैं। उनका कहना है कि किसानों को अब टोकन आसानी से मिल जाता है और निर्धारित तिथि पर वे बिना किसी परेशानी के अपना धान बेचने पहुंच जाते हैं। उपार्जन केंद्रों में बैठने, पानी पीने सहित सभी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध रहती हैं।वे कहते हैं कि पहले किसानों को रातभर रुककर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी और सुचारू है। साथ ही, धान का समर्थन मूल्य और उस पर मिलने वाली अतिरिक्त राशि से किसानों को प्रति क्विंटल लगभग 3100 रुपये का मूल्य मिल रहा है।किसान कृपाल सिंह ने इस वर्ष लगभग 100 क्विंटल धान उपार्जन केंद्र में बेचा है।

कमिश्नर ने माध्यमिक शाला चैतमा व आंगनबाड़ी केंद्र कसनिया का किया निरीक्षण

कोरबा, 3 जनवरी । बिलासपुर संभाग आयुक्त श्री सुनील जैन ने जिले के एकदिवसीय प्रवास के दौरान पाली विकासखण्ड के माध्यमिक शाला चैतमा एवं कटघोरा के आंगनबाड़ी केंद्र कसनिया का निरीक्षण कर बच्चों की दर्ज संख्या और उपस्थिति की जानकारी ली।

माध्यमिक विद्यालय चैतमा का निरीक्षण के दौरान कमिश्नर श्री जैन ने शिक्षकों से बच्चों की पढ़ाई, पाठ्यक्रम की प्रगति और अर्धवार्षिक परीक्षा की तैयारी की जानकारी ली। उन्होंने पाठ्यक्रम संचालन और शैक्षणिक गुणवत्ता को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश भी प्रदान किए।

इसी प्रकार आंगनबाड़ी केंद्र कसनिया निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने केंद्र में बच्चों की दर्ज संख्या एवं उपस्थिति का आंकलन किया। उन्होंने आंगनबाड़ी कर्मचारियों को बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने तथा पोषण और शिक्षा कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री ओंकार यादव, सम्बंधित एसडीएम , तहसीलदार सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

नए वर्ष पर मैत्रीबाग रहा गुलजार

भिलाई, 3 जनवरी (तछसं.)। भिलाई नव वर्ष के पहले दिन प्रदेश भर से पर्यटकों के आने से मैत्रीबाग दिन भर गुलजार रहा पर्यटकों की आमद को देखते हुए मैत्री बाग प्रबंधन ने भी खास इंतजाम कर रखा था सुरक्षा की दृष्टि से सीआईएसएफ और स्थानीय नेवई थाने पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था सुनिशित की गई थी मैत्री बाग के चिड़ियाघर में मौजूद सफेद शेर, भालू, हिरण, मगरमच्छ, विभित्र प्रजातियों के बंदर सहित पक्षियों और अन्य वन्य प्राणियों को देखकर पर्यटक काफी रोमांचित हुए। नए साल को सेलिब्रेट करने के लिए मैत्री बाग में कोई अपने दोस्तों के साथ आया था तो कोई अपने परिवार के साथ यहां पहुंचा पिंजरे में कैद शेर, भालू, बंदर और अन्य जानवरों की नजदीक से देख बच्चों की खुशी देखते बन रही थी पर्यटकों ने मैत्रीबाग में नौका विहार का भी आनंद उठाया। बच्चों ने मिनी ट्रेन का लुत्फ उठाया। मैत्री बाग प्रभारी डॉ एन के जैन ने बताया कि नए साल के मौके पर हर साल बड़ी संख्या में सैलानी यहां दूर दूर से आते हैं इसे देखते हुए ऑनलाइन टिकट के साथ ही सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया।

आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर सुनील जैन ने विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

कोरबा 3 जनवरी । निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026) के अंतर्गत आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर बिलासपुर संभाग श्री सुनील जैन द्वारा कोरबा जिले के विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान विधानसभा पाली-तानाखार के मतदान केंद्र क्रमांक 209 माध्यमिक शाला चैतमा एवं 183 प्राथमिक शाला सुतर्रा, कटघोरा विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 33 प्राथमिक शाला कसनिया एवं 34 माध्यमिक शाला कसनिया, कोरबा विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 77 स्वामी आत्मानंद विद्यालय कोहड़िया, तथा रामपुर विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 87 प्राथमिक शाला भवन गोढ़ी का अवलोकन किया गया।

संभाग आयुक्त श्री जैन ने केंद्रों पर प्रारंभिक रूप से प्रकाशित मतदाता सूची का गहन निरीक्षण कर दर्ज मतदाताओं की जानकारी ली। इस दौरान स्थानांतरित एवं अनुपस्थित मतदाताओं के संबंध में संबंधित बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) से विस्तृत विवरण प्राप्त की गई।निरीक्षण के क्रम में आयुक्त द्वारा विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) से प्रकाशित मतदाता सूची के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान बीएलए को स्थानांतरित एवं अनुपस्थित मतदाताओं से संपर्क स्थापित कर उनके कारणों की जानकारी प्राप्त करने तथा मतदाता सूची को अधिक सटीक एवं अद्यतन बनाने में सहयोग करने के निर्देश दिए गए।आयुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर श्री जैन ने कहा कि आगामी निर्वाचन प्रक्रिया में सभी पात्र नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतुमतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना आवश्यक है।उन्होंने सभी बीएलओ को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि स्थानांतरित मतदाताओं से सक्रिय रूप से संपर्क किया जाए, नोटिस वाले प्रकरणों में संबंधित मतदाताओं को समय पर सूचना दी जाए तथा दावादृआपत्ति प्राप्त कर उनका नियमानुसार निराकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही नाम जोड़ने हेतु प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति के बाद शीघ्र कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए दावा आपत्ति की अंतिम तिथि के सम्बंध में मुनादी एवं अन्य प्रचार माध्यमों से अधिक से अधिक नागरिकों को जागरूक करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल, श्री ओंकार यादव, सम्बंधित अनुविभाग के एसडीएम, तहसीलदार, सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी, बीएलए उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

कोरबा 3 जनवरी । जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित, कोरबा को प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इस योजना के अंतर्गत जिले में निवासरत गरीबी रेखा सर्वे सूची में शामिल शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों से स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक किराना, मनिहारी, कपड़ा, नाई सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, फैंसी स्टोर, मोटर मैकेनिक, साइकिल मरम्मत, टीवी, रेडियो, मोबाइल रिपेयरिंग, वाइंडिंग, मुर्गीपालन, बकरी पालन, सब्जी व्यवसाय, दोना-पत्तल निर्माण, लघु एवं कुटीर उद्योग सहित स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप किसी भी उपयुक्त व्यवसाय का चयन कर सकते हैं।आवेदन के लिए आवेदक का कोरबा जिले का मूल निवासी होना आवश्यक है, जिसके लिए सक्षम अधिकारी द्वारा जारी मूल निवासी प्रमाण पत्र के साथ मतदाता परिचय पत्र, राशन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक पासबुक या बिजली बिल जैसे दस्तावेज संलग्न करने होंगे।

आदि कर्मयोगी अभियान वर्ष 2030 तक लक्षित ग्रामों को विकसित गांवों के रूप में परिवर्तित करने का लक्ष्य

रायपुर, 3 जनवरी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आव्हान और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत् राज्य के जनजातीय समाज को सशक्त एवं विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प अवश्य पूरा करने राज्य के चिन्हांकित गांवों को वर्ष 2030 तक विकसित गांवों के रूप में परिर्वतित करने का लक्ष्य रखा गया है। आदिमजाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बताया कि आदि कर्मयोगी अभियान के तहत् राज्य के 28 जिलों के 6 हजार 650 जनजातीय बाहुल्य ग्रामों को चिन्हांकित किया गया है। इस अभियान के तहत् जनजातीय बहुल्य क्षेत्रों के ही उनके भाषा व बोली को समझने वाले 1 लाख 47 हजार 935 आदि कर्मयोगी तैयार किए जा चुके हैं जो लगातार जनजातीय समाज के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए शासन की योजनाओं से उन्हें लाभान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। चिन्हांकित ग्रामों के विलेज एक्शन प्लान तैयार करने पर जोर प्रमुख सचिव श्री बोरा ने बताया कि इस अभियान के तहत् 2 लाख 17 हजार 343 हितग्राहियों का आधारकार्ड, 149,859 का आयुष्मान कार्ड, 54,248 को पीएम किसान सम्मान निधि और 85,276 को पीएम जनधन से लाभान्वित किया गया है। अभियान को और कारगार बनाने के उद्देश्य से चिन्हांकित ग्रामों के विलेज एक्शन प्लान तैयार करने के लिए गांवों में एन्ट्री पाईट एक्टिविटी, ग्राम भ्रमण तथा ग्रामीणों एवं स्थानीय समुदायों के साथ विलेज विजनिंग एक्सासाईज पर जोर दिया ।

एक नजर

आत्मा योजनाः उड़द खेती में बढ़ी पैदावार किसान की आय में हुआ इजाफा

रायगढ़, 3 जनवरी। कृषि विभाग द्वारा संचालित एक्सटेंशन रिफॉर्म्स आत्मा योजना किसानों को वैज्ञानिक खेती से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ग्राम-सोनपुर के किसान श्री घनश्याम ने आत्मा योजना के तहत उन्नत तकनीकों को अपनाकर उड़द उत्पादन में बेहतर परिणाम हासिल किए हैं। किसान श्री घनश्याम द्वारा आत्मा योजना के अंतर्गत 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में उड़द फसल का प्रदर्शन किया गया। योजना के माध्यम से उन्हें उन्नत किस्म के बीज, बीज उपचार, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, समय पर बुवाई, खरपतवार नियंत्रण तथा कीट-रोग प्रबंधन की वैज्ञानिक जानकारी एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। विभागीय सलाह के अनुसार सभी कृषि क्रियाओं को समय पर अपनाने से फसल की बढ़वार अच्छी रही और पौधे स्वस्थ पाए गए। उन्नत तकनीकों के प्रभावी उपयोग से किसान को प्रदर्शन क्षेत्र से लगभग 5.5 क्विंटल उड़द का उत्पादन प्राप्त हुआ, जो प्रति हेक्टेयर लगभग 13.75 क्विंटल उपज के बराबर है। यह उपज क्षेत्र की औसत पैदावार से अधिक रही। बेहतर उत्पादन और गुणवत्ता के कारण किसान को बाजार में भी उचित मूल्य मिला। उड़द की खेती में किसान द्वारा लगभग 10 हजार रुपये की लागत की गई, जबकि औसतन 8 हजार रुपये प्रति क्विंटल की दर से विक्रय करने पर उन्हें लगभग 44 हजार रुपये की आय प्राप्त हुई।

ग्रामीण युवाओं के लिए मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षण का सुनहरा अवसर

महासमुंद 3 जनवरी । जिले के ग्रामीण युवकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) द्वारा निःशुल्क 30 दिवसीय मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। निदेशक बैंक ऑफ बड़ौदा आरसेटी ने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए 07 जनवरी 2026 तक पंजीयन करा सकते है। पंजीयन के लिए बी.पी.एल. राशन कार्ड की प्रतिलिपि, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज की 4 फोटो एवं न्यूनतम 8वीं उत्तीर्ण अंकसूची आवश्यक है। पंजीयन एवं प्रशिक्षण की जानकारी के लिए कमलेश पटेल के मोबाईल नम्बर 79997-00673, अक्षय सिंग राजपूत के मोबाईल नम्बर 83194-62874 एवं राजू निर्मलकर के मोबाईल नंबर 91310-65767 पर प्रातः 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक संपर्क कर सकते है।

युवा किसान राजकुमार ने कहा- धान खरीदी व्यवस्था से मजबूत हुआ किसानों का भरोसा

मोहला 3 जनवरी । छत्तीसगढ़ शासन की पारदर्शी, सुव्यवस्थित और तकनीक आधारित धान खरीदी व्यवस्था किसानों के बीच विश्वास का मजबूत आधार बनती जा रही है। जिले के विकासखंड चौकी अंतर्गत ग्राम खोराटोला के युवा किसान राजकुमार इसका सशक्त उदाहरण हैं, जिन्होंने आधुनिक सोच और सरकारी व्यवस्था का लाभ उठाकर न केवल समयबद्ध रूप से धान विक्रय किया, बल्कि खेती को एक लाभकारी और सम्मानजनक व्यवसाय के रूप में स्थापित किया है।युवा किसान राजकुमार ने इस वर्ष ऑनलाइन माध्यम से टोकन कटवाकर आमाटोला धान उपार्जन केंद्र में धान विक्रय की प्रक्रिया पूरी की। उनका कहना है कि ऑनलाइन टोकन प्रणाली से समय की बचत हुई, पारदर्शिता बनी रही और खरीदी केंद्र में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। निर्धारित तिथि पर व्यवस्थित ढंग से धान की खरीदी होने से उन्हें उचित मूल्य समय पर प्राप्त हुआ।धान खरीदी की प्रक्रिया को लेकर युवा किसान राजकुमार ने छत्तीसगढ़ शासन की व्यवस्था की सराहना की।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के हित में की गई यह पहल न केवल भरोसेमंद है, बल्कि युवाओं को खेती से जोड़ने का मजबूत माध्यम भी बन रही है। राजकुमार का मानना है कि यदि युवा वर्ग आधुनिक तकनीक और सरकारी योजनाओं का सही उपयोग करे, तो खेती एक लाभकारी और सम्मानजनक व्यवसाय बन सकती है। युवा किसान राजकुमार ने अन्य युवाओं से भी आधुनिक खेती की ओर आगे आने की अपील करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की धान खरीदी व्यवस्था किसानों को सुरक्षा और स्थिरता प्रदान कर रही है। उनकी यह सोच और सफलता आज क्षेत्र के अन्य किसानों, विशेषकर युवाओं, के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रही है।

1.42 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव पूर्ण, 43,714 किसानों ने बेचा धान

धान खरीदी जोरों पर, अब तक 2.67 लाख मीट्रिक टन की खरीदी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 3 जनवरी। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य तेजी से जारी है। शासन के निर्देशानुसार 31 जनवरी तक धान खरीदी की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान विक्रय को लेकर किसानों में उत्साह का माहौल बना हुआ है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में व्यापक एवं पुख्ता व्यवस्थाएँ की गई हैं, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। साथ ही धान खरीदी प्रक्रिया में लापरवाही बरतने वाले संबंधितों पर सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। मैदानी अमलों द्वारा लगातार धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। धान में अधिक नमी, अमानक गुणवत्ता तथा अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

अब तक जिले में 43 हजार 714 किसानों द्वारा धान विक्रय किया जा चुका है। कुल 2 लाख 67 हजार 512.12 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है, जिसमें 1 लाख 99 हजार 151.84 मीट्रिक टन मोटा धान एवं 68 हजार 360.28 मीट्रिक टन पतला धान शामिल है। धान खरीदी के साथ-साथ उठाव कार्य भी सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। उपार्जन केंद्रों में खरीदे गए धान में से अब तक 1 लाख 42 हजार 007.10 मीट्रिक टन धान का उठाव पूर्ण किया जा चुका है। वहीं 1 लाख 94 हजार 991.60 मीट्रिक टन धान का डीओ (डिलीवरी ऑर्डर) जारी किया गया है। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों एवं नोडल अधिकारियों को धान खरीदी कार्य की सतत निगरानी के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि धान विक्रय करने वाले वास्तविक किसानों को किसी भी स्तर पर परेशानी नहीं होनी चाहिए। टोकन कटने से लेकर धान विक्रय तक पूरी प्रक्रिया में किसानों को आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना से दिव्यांग दम्पत्ति को मिला आर्थिक संबल

रायगढ़, 3 जनवरी। राज्य शासन की निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना दिव्यांगजनों के वैवाहिक जीवन को आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान कर रही है। योजना के अंतर्गत विकासखण्ड रायगढ़ के ग्राम-कोतरा निवासी दृष्टिबाधित दिव्यांग श्री अनिल कुमार महंत को 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। वित्त मंत्री एवं जिले के विधायक श्री ओ.पी. चौधरी के हाथों प्रोत्साहन राशि प्राप्त होने पर हितग्राही श्री अनिल कुमार महंत ने खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि इस सहायता राशि से वे अपने भविष्य को सुरक्षित करने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि श्री अनिल कुमार महंत द्वारा समाज कल्याण विभाग रायगढ़ में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। जिला स्तरीय समिति से अनुमोदन के पश्चात डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में 50 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई। समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्री शिवशंकर पाण्डेय ने बताया कि निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत यदि दम्पत्ति में एक व्यक्ति दिव्यांग हो तो 50 हजार रुपये तथा दोनों के दिव्यांग होने की स्थिति में 1 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। यह योजना दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

श्रमिक शिविर आयोजित

मोहला, 3 जनवरी । जिले के श्रमिकों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु श्रम विभाग द्वारा विकासखंड स्तर पर श्रमिक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से निर्माण श्रमिकों एवं असंगठित कर्मकारों का पंजीयन एवं नवीनीकरण ग्राम पंचायत स्तर पर सतत रूप से किया जा रहा है।श्रम विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार, विकासखंड मोहला में दिनांक 05 जनवरी 2026 को ग्राम कुम्हली तथा 07 जनवरी 2026 को ग्राम कनेरी में श्रमिक शिविर आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार चौकी विकासखंड में दिनांक 12 जनवरी 2026 को ग्राम बिहरीकला एवं 15 जनवरी 2026 को ग्राम हांडीटोला में शिविर संपन्न होगा। वहीं मानपुर विकासखंड में दिनांक 16 जनवरी 2026 को ग्राम कंदाडी तथा 19 जनवरी 2026 को ग्राम कुम्हारी में श्रमिक शिविर का आयोजन किया जाएगा।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें:सीईओ

रायगढ़, 3 जनवरी। जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए आज जिला कलेक्ट्रेट स्थित सृजन सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बैंक प्रतिनिधियों, वेंडर्स एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों ने सहभागिता की। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ श्री अभिजीत बबन पठारे ने योजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि योजना शासन की प्राथमिकता में शामिल है, ऐसे में इसके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी वेंडर्स को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सौर पैनल इंस्टॉलेशन कार्य में तेजी लाएं तथा प्रति सप्ताह न्यूनतम 10 इंस्टॉलेशन का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य पूर्ण करें। साथ ही चेतावनी दी कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले वेंडर्स के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में बैंक प्रतिनिधियों को भी निर्देशित किया गया कि हितग्राहियों के लिए ऋण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाया जाए, ताकि पात्र आवेदकों को समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध हो सके। जिला पंचायत सीईओ ने अधिकारियों को योजना की नियमित एवं कड़ी मॉनिटरिंग करने तथा व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से अधिक से अधिक नागरिकों को योजना से जोड़ने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री आर.के.राव, लीड बैंक मैनेजर श्री कमल किशोर सिंह सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि एवं अधिकृत वेंडर्स उपस्थित रहे। कार्यपालन अभियंता श्री एन.के. नायक ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को केन्द्र एवं राज्य सरकार के माध्यम से 1 लाख 8 हजार रुपये तक की सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा है। बैंक ऋण की आसान किश्तों की सुविधा उपलब्ध हैं। 1 किलोवाट सोलर प्लांट से प्रतिमाह लगभग 120 यूनिट, 2 किलोवाट से 240 यूनिट तथा 3 किलोवाट प्लांट से लगभग 360 यूनिट बिजली का उत्पादन हो रहा है। योजना की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन, सरल और पारदर्शी है। इच्छुक नागरिक पोर्टल, पीएम सूर्य घर मोबाइल ऐप, सीएसपीडीसीएल वेबसाइट, मोर बिजली ऐप अथवा टोल-फ्री नंबर 1912 पर संपर्क कर आवेदन कर सकते हैं। उपभोक्ता ऑनलाइन माध्यम से स्वयं वेंडर का चयन भी कर सकते हैं।

मातृ एवं शिशु अस्पताल रायगढ़ में वैजाइनल हिस्टेरेक्टॉमी का सफल ऑपरेशन

रायगढ़, 3 जनवरी। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत के मार्गदर्शन में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार गुणवत्ता और सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। इसी कड़ी में मातृ एवं शिशु 100 बिस्तर अस्पताल रायगढ़ में महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी एक जटिल समस्या का सफल उपचार कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है।

जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में निवास करने वाली 55 वर्षीय महिला लंबे समय से गर्भाशय में दर्द एवं गर्भाशय बाहर आ जाने की गंभीर समस्या से पीड़ित थीं। आर्थिक एवं भौगोलिक कारणों से महिला बड़े शहरों में उपचार नहीं करा पा रही थीं। मातृ एवं शिशु रोग अस्पताल रायगढ़ पहुंचने पर महिला की जांच सिविल सर्जन डॉ. दिनेश पटेल के नेतृत्व में तथा डॉ. अभिषेक अग्रवाल के मार्गदर्शन में की गई। वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. दिशा ठाकुर क्षत्रिय एवं डॉ. उपमा पटेल द्वारा मरीज की पहले विस्तृत काउंसलिंग की गई। आवश्यक जांचों के पश्चात महिला का वैजाइनल हिस्टेरेक्टॉमी ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया।

यह शल्य प्रक्रिया विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें पेट पर किसी प्रकार का चीरा नहीं लगाया जाता और मरीज को शीघ्र आराम मिलता है। चिकित्सकों के अनुसार 45 वर्ष की आयु के बाद एवं मेनोपॉज के पश्चात कई महिलाएं भय के कारण इस समस्या का उपचार नहीं करातीं, जिससे बीमारी गंभीर रूप ले लेती है। समय पर किए गए इस ऑपरेशन से महिला को राहत मिली है और वह अब सामान्य जीवन की ओर लौट रही हैं। इस सफल ऑपरेशन में एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ.पी.एल.पटेल, सिस्टर इंचार्ज लता मेहर एवं जैसिंता सिस्टर का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैकरा ने बताया कि अब जिले की महिलाओं को जटिल स्त्री रोग संबंधी उपचार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। यह उपलब्धि जिले में उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक सशक्त कदम साबित हो रही है।

त्रुटिपूर्ण रकबा संशोधन के लिए 7 जनवरी तक का समय निर्धारित

महासमुंद, 3 जनवरी । खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत किसानों को धान बेचने में परेशानी न हो, इसे दृष्टिगत रखते हुए कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सचिव द्वारा पत्र जारी कर एग्रीस्टैक फार्मर आईडी जनरेटेड किसानों का धान विक्रय हेतु त्रुटिपूर्ण रकबा संशोधन एवं पीव्ही सत्यापन, त्रुटिपूर्ण फसल प्रविष्टि सुधार का विकल्प आगामी 07 जनवरी तक खुला रहने की जानकारी दी गई है। इस संबंध में जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि सचिव कृषि विभाग के आदेशानुसार जिले के सभी किसान जो एग्रीस्टैक फार्मर आईडी में पंजीकृत हैं।

बिहान योजना के तहत 30 महिला आजीविका दुकानों का शुभारंभ

महासमुंद,3 जनवरी । जिले में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज बिहान योजना अंतर्गत गठित महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा संचालित 30 आजीविका दुकानों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हेमंत नंदनवार द्वारा 6 दुकानों का विधिवत उद्घाटन किया गया। प्रत्येक विकासखंड से 6-6 दुकानों का शुभारंभ किया गया है। इन दुकानों के माध्यम से महिला समूह की सदस्य न केवल स्वरोजगार से जुडेगी, बल्कि अपने जीवन स्तर में भी निरंतर सुधार करेगी। ये दुकानें महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के लिए सीधे बाजार के रूप में भी कार्य करेंगी, जिससे उन्हें अपने उत्पादों के विक्रय के लिए किसी बिचौलिये पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

जिला पंचायत सीईओ श्री नंदनवार द्वारा यह नवाचार की शुरुआत की गई, जिसका नाम आजीविका 150 रखा गया है। इस नवाचार के अंतर्गत आगामी 3 माह में पूरे जिले में 150 आजीविका दुकानों के शुभारंभ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आज 30 दुकानों के उद्घाटन के साथ इस योजना के प्रथम चरण की शुरुआत हो गई है। जिन स्थानों पर दुकानों का शुभारंभ हुआ, उनमें बागबाहरा, खल्लारी, तेंदुकोना, महासमुंद के मोंगरा तथा पिथौरा के गढ़बेड़ा शामिल हैं। बागबाहरा विकासखंड के क्लस्टर खल्लारी में जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हेमंत नंदनवार ने बिहान बाजार का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सीईओ श्री नंदनवार ने समूह की महिलाओं को बधाई दी। शुभारंभ अवसर पर जय मां शीतला महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा ग्राम बोईरगांव में प्रारंभ की गई फैंसी एवं कपड़ा दुकान के खुलने पर समूह की महिलाओं ने प्रसन्नता व्यक्त की और शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को स्व-रोजगार के अवसर मिलने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार ने कहा कि बिहान मिशन का मूल उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और युवाओं को संगठित कर उन्हें सशक्त, आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। मिशन के अंतर्गत ऐसे बाजारों और स्व-रोजगार गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण आजीविका में वृद्धि हो और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन हो सके। उन्होंने कहा कि बिहान बाजार स्थानीय उत्पादों के विपणन का सशक्त माध्यम बनेगा। इससे न केवल महिला समूहों की आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी, बल्कि उनकी आय के स्रोत भी सुदृढ़ होंगे। उन्होंने महिला समूहों को गुणवत्ता, पारदर्शिता और ग्राहक संतुष्टि पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारी, स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं एवं स्थानीय ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समाचार संक्षेप

जिला चिकित्सालय रायगढ़ में टीबी मरीजों को फूड बास्केट का वितरण

रायगढ़, 3 जनवरी। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जिला चिकित्सालय रायगढ़ में टीबी रोगियों हेतु फूड बास्केट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 32 टीबी मरीजों को पोषण आहार प्रदान किया गया। आयोजन का उद्देश्य टीबी उन्मूलन अभियान को सुदृढ़ करते हुए रोगियों को पोषण व परामर्श के माध्यम से उपचार में सहयोग प्रदान करना है।इस अवसर पर मरीजों को नियमित रूप से दवा सेवन, समय पर जांच कराने तथा उपचार के प्रति सतर्क रहने का परामर्श भी दिया गया, जिससे उपचार की निरंतरता बनी रहे और शीघ्र स्वस्थ होने में सहायता मिल सके। यह कार्यक्रम सिविल सर्जन डॉ. दिनेश कुमार पटेल, जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ.जय कुमारी चौधरी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री रंजना पैंकरा, चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ.ए.के. कुशवाहा, डॉ.पी.के. गुप्ता, डॉ.पी.के. चेतवानी तथा अस्पताल प्रबंधक डॉ. देवेंद्र गुज्जर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला क्षय उन्मूलन केंद्र के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुसौर में जैव अपशिष्ट प्रबंधन एवं एनक्यूएएस प्रशिक्षण संपन्न

रायगढ़, 3 जनवरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुसौर में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं संक्रमण नियंत्रण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जैव अपशिष्ट प्रबंधन एवं (एनक्यूएएस) से संबंधित प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देश एवं सीएमएचओ डॉ. अनिल कुमार जगत तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.विनोद नायक के मार्गदर्शन में किया गया।प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर के रूप में डॉ. दिनेश नायक (चिकित्सा अधिकारी) एवं श्री उद्धव पटेल द्वारा जैव अपशिष्ट प्रबंधन एवं संक्रमण नियंत्रण से संबंधित विषयों पर जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान हैंड वॉश की सही प्रक्रिया, पीपीई किट का डोनिंग एवं डॉफिंग, ब्लीचिंग घोल का निर्माण तथा मॉपिंग प्रक्रिया का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया। साथ ही जैव अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अंतर्गत कलर कोडेड बिन्स के अनिवार्य एवं सही उपयोग पर जोर दिया गया, जिससे स्वास्थ्य संस्थान में स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ.विनोद नायक ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि वे जैव अपशिष्ट प्रबंधन के प्रावधानों का सख्ती से पालन करें, नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं तथा हेपेटाइटिस टीकाकरण अनिवार्य रूप से पूर्ण कराएं, ताकि संक्रमण की रोकथाम के साथ-साथ सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित किया जा सके। प्रशिक्षण में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुसौर के समस्त अधिकारी-कर्मचारी एवं नव नियुक्त कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सी.एच.ओ.) उपस्थित रहे।

9 जनवरी तक चावल उत्सव एवं उपभोक्ता जागरूकता अभियान चलाया जाएगा

महासमुंद 3 जनवरी । संचालनालय, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण द्वारा जारी निर्देशानुसार खाद्य विभाग के लिए रजत जयंती वर्ष 2025-26 का 02 जनवरी से लेकर 09 जनवरी 2026 तक की अवधि में उपभोक्ता जागरूकता एवं चावल उत्सव का आयोजन किये जाने का निर्देश दिया गया है। शासन के निर्देश के परिपालन में अपर कलेक्टर श्री रवि साहू की अध्यक्षता में रजत जयंती के आयोजन के संबंध में खाद्य विभाग, उपभोक्ता विवाद एवं प्रतितोष आयोग, नाप तौल विभाग, जिला सह. केन्द्रीय बैंक, मार्कफेड, नागरिक आपूर्ति निगम, पेट्रोल पंप संचालक, गैस वितरक संचालक का बैठक आयोजित किया गया। बैठक में श्री साहू द्वारा शासन की मंशा अनुरूप जिले के प्रत्येक उचित मूल्य की दुकानों में 02 जनवरी से 09 जनवरी 2026 तक स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं निगरानी समिति के सदस्यों, दुकान संचालक एवं हितग्राहियों की उपस्थिति में रजत जयंती चावल उत्सव का आयोजन करने तथा उपभोक्ताओं के अधिकारों के साथ-साथ उपभोक्ता विवादों के निराकरण की विद्यमान कार्यप्रणाली की जानकारी आम नागरिकों को उपलब्ध कराये जाने हेतु उपभोक्ता जागरूकता सप्ताह का आयोजन करने हेतु सर्व सम्बधित विभागों को निर्देश दिया गया। बैठक में श्री अजय कुमार यादव, खाद्य अधिकारी द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में रिकार्ड वृद्धि, खाद्य सुरक्षा एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) का विस्तार, नवीन उचित मूल्य की दुकानों का आबंटन, राशनकार्ड अंतर्गत हितग्राहियों की राशन सामग्री की उपब्लधता, पीडीएस प्रणाली के डिजिटल बदलाव एवं वन नेशन वन राशनकार्ड अंतर्गत पोर्टेबिलिटी सुविधा आदि खाद्य विभाग की योजनाओं की विगत 25 वर्षों की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया गया।

महासमुंद जिले में धान खरीदी सुचारू एवं पारदर्शिता के साथ जारी

महासमुंद, 3 जनवरी । खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार के मंशानुरूप एवं कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशन एवं सतत निगरानी में महासमुंद जिले में धान खरीदी का कार्य पूरी पारदर्शिता, सुव्यवस्थित व्यवस्था एवं किसानों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए सुचारू रूप से जारी है।

धान उपार्जन केंद्रों के माध्यम से कुल 5,20,220.72 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है, जो राज्य में सर्वाधिक है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी केंद्रों पर समयबद्ध खरीदी, तौल, बारदाना उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।उपार्जित धान के त्वरित भंडारण और मिलर्स को आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु निरंतर उठाव की कार्रवाई की जा रही है। अब तक मिलर्स द्वारा 1,17,374.07 मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है। वहीं 1,85,269 मीट्रिक टन धान का डी.ओ. जारी किया गया है।कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशन में जिले में धान खरीदी की समस्त गतिविधियों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खरीदी केंद्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, भुगतान प्रक्रिया समय पर हो तथा उपार्जन, भंडारण और उठाव के कार्य में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखी जाए। कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया है कि धान उठाव में तेजी लाई जाए, केंद्रों पर जाम की स्थिति न बने तथा गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। इसके लिए खाद्य विभाग, सहकारिता विभाग, जिला विपणन अधिकारी एवं अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय से कार्य किया जा रहा है।धान खरीदी की सुचारू व्यवस्था से किसान भी संतुष्ट है। बरोंडाबाजार के कृषक श्री योगेश कुमार नारंग ने बताया कि उन्होंने अपने 2 एकड़ की खेती से उत्पादित 30 क्विंटल धान को ऑनलाइन टोकन कटवाकर आसानी से बेचा। उन्होंने बताया कि उपार्जन केंद्र में हमाल की पर्याप्त उपलब्धता होने के कारण धान तौल एवं उठाव में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई।

चिरायु योजना ने लौटाई बच्चों की सांसें, परिवारों को मिली नई उम्मीद

■ जहां टूट रही थीं उम्मीदें, वहां चिरायु योजना ने जिले के 11 बच्चों के दिलों को दी नई धड़कन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 3 जनवरी। मोहला मानपुर जिले के एक छोटे से गांव में रहने वाले एक नन्हे बच्चे की सांसें दिन-ब-दिन कमजोर होती जा रही थीं। खेलने-कूदने की उम्र में थक जाना, बार-बार सीने में दर्द की शिकायत और माता-पिता की आंखों में बढ़ती चिंता यह उस परिवार की रोजमर्रा की सच्चाई बन चुकी थी। आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे महंगे इलाज का खर्च उठा सकें। धीरे-धीरे उम्मीदें टूटने लगी थीं। इसी दौरान राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम द्वारा स्कूल एवं आंगनबाड़ी में की जा रही नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान बच्चे की पहचान की गई। जांच में पता चला कि बच्चा गंभीर हृदय रोग से पीड़ित है। यह जानकारी परिवार के लिए भयावह जरूर थी, लेकिन साथ ही एक नई उम्मीद भी लेकर आई चिरायु योजना। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय खोब्रागड़े के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता से कार्रवाई की। बिना किसी विलंब के बच्चे को शासकीय वाहन से रायपुर भेजा गया, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उसका सफल ऑपरेशन किया गया। आज वही बच्चा मुस्कुराते हुए स्कूल जाता है, खेलता है और सपने देखता है–एक सामान्य और स्वस्थ बचपन जी रहा है। ऐसी कहानी सिर्फएक बच्चे की नहीं, बल्कि जिले के 11 बच्चों की है, जिनके दिलों को चिरायु योजना ने नई धड़कन दी है। यही नहीं, योजना के माध्यम से जिले में अब तक त्वचा रोग से पीड़ित 74, दृष्टि दोष से ग्रसित 97, दंत रोग से 27, कान संक्रमण से 35, एनीमिया से 22, कुपोषण से 64 तथा अन्य बीमारियों से ग्रसित 43 बच्चों का निःशुल्क एवं सफल उपचार किया जा चुका है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम द्वारा स्कूलों एवं आंगनबाड़ियों में लगातार की जा रही स्वास्थ्य जांच ने सैकड़ों परिवारों की चिंता को राहत में बदल दिया है। जिन माता-पिता की आंखों में कभी डर और असहायता थी, आज वहीं आंखें कृतज्ञता और सुकून से भरी हैं। परिजनों का कहना है कि यदि समय पर चिरायु योजना का सहारा नहीं मिला होता, तो उनके बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो सकता था।

एक नजर

प्रधानमंत्री आवास योजना से बना पक्का घर, बरसात और असुरक्षा की चिंता से मिली मुक्ति

रायपुर, 3 जनवरी। हर व्यक्ति के मन में एक सपना रहता है कि उनका एक आशियाना हो जिसमे वह सुख चैन से जीवन यापन कर सके. प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कबीरधाम जिले में पात्र हितग्राहियों को निरंतर आवास का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से जिले के अनेक परिवारों का पक्का आवास का सपना साकार हो रहा है और उन्हें सुरक्षित, सम्मानजनक एवं स्थायी आवास उपलब्ध हो रहा है। इसी योजना से लाभान्वित कबीरधाम जिले के ग्राम मझगांव के हितग्राही श्री रामझुल गंधर्व, पिता स्वर्गीय श्री लाला गंधर्व, ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवास आज पूर्ण रूप से बनकर तैयार हो चुका है। श्री रामझुल गंधर्व ने बताया कि इससे पूर्व उनका आवास कच्चा था, जिसमें बरसात के दिनों में छप्पर से पानी टपकता था। साथ ही बंदर, साँप एवं बिच्छू जैसे जीव-जंतुओं का भय बना रहता था, जिससे परिवार को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पक्का घर बनने के बाद अब ये सभी समस्याएँ समाप्त हो गई हैं। उन्होंने बताया कि अब वे अपनी पत्नी और बच्चों के साथ सुरक्षित एवं सुखद वातावरण में रह रहे हैं। परिवार की आजीविका मजदूरी पर निर्भर है, लेकिन पक्का आवास मिलने से उनका जीवन पहले की तुलना में कहीं अधिक स्थिर और सुरक्षित हो गया है। श्री गंधर्व ने यह भी बताया कि उनके परिवार को सरकार की अन्य कल्याणकारी योजनाओं का भी लाभ मिल रहा है। उनकी पत्नी महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हैं तथा परिवार को मुफ्त राशन भी प्राप्त हो रहा है, जिससे दैनिक जीवन की आवश्यकताएँ सहज रूप से पूरी हो रही हैं। उन्होंने सरकार द्वारा संचालित इन जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पक्का मकान का सपना केवल सरकार की योजनाओं के कारण ही साकार हो सका है। आज वे अपने परिवार के साथ पक्के आवास में खुशहाल एवं सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

सौर ऊर्जा से रोशन हुआ ढेलू दास का घर, 80 प्रतिशत कम हुआ बिजली बिल

रायपुर, 3 जनवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार द्वारा चलाई जा रही 'प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना' अब ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वरदान साबित हो रही है। खैरागढ़ जिले के ग्राम पिपलाकछार निवासी ढेलू दास ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर एक नई मिसाल पेश की है। स्थापना के मात्र एक माह के भीतर ही उनके सोलर प्लांट ने 298 यूनिट बिजली का शानदार उत्पादन किया है। इस पहल से न केवल उनके घर का बिजली बिल नाममात्र का रह गया है, बल्कि अतिरिक्त बिजली बेचकर उन्हें आय भी होने लगी है। आंकड़ों की बात करें तो नवंबर माह में हुए कुल 298 यूनिट उत्पादन में से ढेलू दास ने 255 यूनिट बिजली ग्रिड को एक्सपोर्ट की। इसके बदले उन्हें 517 रुपये का सोलर रिबेट प्राप्त हुआ, जिसके चलते उनका मासिक बिजली बिल, जो औसतन 800 रुपये रहता था, घटकर अब मात्र 160 रुपये पर आ गया है। ढेलू दास बताते हैं कि इस योजना से उन्हें दोहरा लाभ मिल रहा है–पहला बिजली बिल से स्थाई राहत और दूसरा अतिरिक्त बिजली से आमदनी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत सोलर प्लांट लगवाने पर सरकार विशेष सब्सिडी प्रदान कर रही है। 3 किलोवाट या उससे अधिक के प्लांट पर केंद्र सरकार से 78 हजार और राज्य सरकार से 30 हजार रुपये, यानी कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है। ढेलू दास ने अन्य नागरिकों से भी इस योजना को अपनाने की अपील करते हुए कहा कि यदि हर घर सौर ऊर्जा को अपना ले, तो पूरा प्रदेश ऊर्जा आपूर्ति में आत्मनिर्भर बन जाएगा। यह योजना सही मायनों में आम आदमी को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है।

राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जम्बूरी 2026 की तैयारियों पर हुई विस्तृत चर्चा

रायपुर,3 जनवरी (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ राज्य परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आज मंत्रालय, महानदी भवन नवा रायपुर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता श्री गजेन्द्र यादव, स्कूल शिक्षा मंत्री एवं अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने की। बैठक का मुख्य केंद्रबिंदु छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली प्रथम राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जम्बूरी 2026 रहा। यह जम्बूरी बालोद जिले के ग्राम दुधली में 9 जनवरी से 13 जनवरी 2026 तक आयोजित की जाएगी।

बस्तर पंडुम 2026 बनेगा विश्वस्तरीय सांस्कृतिक आयोजन

बस्तर पंडुम हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपरंपराओं, कला और विरासत का जीवंत मंच: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 3 जनवरी। बस्तर अंचल की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, कला, लोकपरंपराओं और विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से 'बस्तर पंडुम' का आयोजन वर्ष 2026 में भी गत वर्ष की भांति भव्य एवं आकर्षक रूप में किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दंतेवाड़ा में माँ दंतेश्वरी के आशीर्वाद के साथ मंदिर प्रांगण में बस्तर पंडुम का लोगो एवं थीम गीत का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बस्तर पंडुम बस्तर की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि आज माँ दंतेश्वरी के इस पावन प्रांगण से बस्तर पंडुम 2026 का शुभारंभ हो रहा है। यहाँ बस्तर पंडुम 2026 का लोगो और थीम गीत का विमोचन किया गया है। बस्तर पंडुम केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि बस्तर की आत्मा है। यह हमारी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपरंपराओं, कला और विरासत का जीवंत मंच है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की असली पहचान हमारी आदिवासी परंपराओं में है। हम नृत्य, गीत, शिल्प, व्यंजन, वन-औषधि और देवगुड़ियों के माध्यम से इन परंपराओं और संस्कृति को जीते हैं। पिछले वर्ष हमने बस्तर पंडुम की शुरुआत की थी। समापन अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह भी हम सबके बीच आए थे। इस वर्ष हम राष्ट्रपति , केंद्रीय गृहमंत्री, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री तथा भारत में नियुक्त विभिन्न देशों के राजदूतों को भी आमंत्रित कर रहे हैं। पिछली बार बस्तर पंडुम को लेकर बस्तरवासियों का जो उत्साह और जोश देखने को मिला, वह अभूतपूर्व था। इस बार हम इसे और अधिक भव्य बना रहे हैं, ताकि यहाँ की धरोहर राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष बस्तर पंडुम की प्रतिस्पर्धाओं में विधाओं की संख्या सात से बढ़ाकर बारह कर दी गई है। इनमें जनजातीय नृत्य, गीत, नाट्य, वाद्ययंत्र, वेशभूषा, आभूषण, पूजा-पद्धति के साथ ही शिल्प, चित्रकला, पारंपरिक व्यंजन-पेय, आंचलिक साहित्य और वन-औषधि को भी शामिल किया गया है। इस बार बस्तर पंडुम प्रतियोगिता का आयोजन तीन चरणों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का संकल्प है कि बस्तर की संस्कृति को सहेजते हुए नई पीढ़ी तक पहुँचाया जाए। बस्तर अब केवल संस्कृति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि शांति, समृद्धि और पर्यटन के माध्यम से विकास का भी प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बस्तर को नई ऊँचाइयों पर ले जा रही है। यह उत्सव बताता है कि बस्तर अब संघर्ष से नहीं, बल्कि सृजन और उत्सव से पहचाना जाएगा।

उन्होंने बस्तरवासियों एवं सभी कलाकार भाई-बहनों से आग्रह किया कि वे अपनी कला के माध्यम से बस्तर का गौरव बढ़ाएँ और अधिक से अधिक संख्या में बस्तर पंडुम के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लें। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि 'पंडुम' का अर्थ पर्व होता है। बस्तर में खुशियों को बढ़ाने के लिए समय-समय पर विभिन्न पर्व (पंडुम) मनाए जाते हैं। किसी भी पर्व की शुरुआत माता के आशीर्वाद से करने की परंपरा रही है। इसी तारतम्य में बस्तर पंडुम की शुरुआत माँ दंतेश्वरी के मंदिर परिसर से की जा रही है। बस्तर समृद्ध संस्कृति से परिपूर्ण है। यहाँ निवास करने वाली जनजातियों की कला, शिल्प, नृत्य, संगीत और खानपान को समाहित कर बस्तर पंडुम 2026 का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति स्थापना के प्रयास सफल हो रहे हैं। मार्च 2026 तक लाल आतंक समाप्त होकर रहेगा।

नीर एवं डेयरी उत्पाद वाले प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण, जांच के लिए सैंपल

रायपुर, 3 जनवरी। नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा राजनांदगांव जिले में सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने पनीर एवं अन्य डेयरी उत्पादों के विनिर्माण और विक्रय से जुड़े प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण कर खाद्य नमूने लिए गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा पनीर विनिर्माण करने वाली डेयरियों, पनीर विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों तथा पनीर से बने विभिन्न व्यंजन परोसने वाले होटल एवं रेस्टोरेंट सहित कुल 8 प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पनीर एवं अन्य डेयरी उत्पादों के नमूने जांच हेतु संकलित कर खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। नमूनों में से किसी भी नमूने के अमानक, मिथ्याछाप अथवा असुरक्षित पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त टीम द्वारा जिले में संचालित विभिन्न होटल-रेस्टोरेंट से टमाटर ग्रेवी, प्याज ग्रेवी, आटा एवं अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने भी जांच के लिए लिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान होटल एवं रेस्टोरेंट संचालकों को परिसर एवं रसोई क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने, किसी भी संक्रामक रोग से ग्रसित कर्मी को खाद्य कार्य से पृथक रखने, मानक गुणवत्ता के खाद्य तेल के उपयोग सहित अन्य आवश्यक निर्देश दिए गए। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान मनगटा टूरिस्ट स्पॉट पर संचालित नौटंकी रेस्टोरेंट में साफ-सफाई एवं स्वच्छता का अभाव पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि नागरिकों तक सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री पहुंचाने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। विभाग ने समस्त खाद्य कारोबारियों से अपने प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों के सुरक्षित विनिर्माण, भंडारण, प्रदर्शन एवं विक्रय सुनिश्चित करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया से की भेंट

रायपुर, 3 जनवरी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली में केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित ÷प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स- 2026 के सफल आयोजन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व तथा भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के मार्गदर्शन में खेलों को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी छत्तीसगढ़ को मिलना समूचे राज्य के लिए गर्व और सम्मान का विषय है, यह अवसर राज्य की समृद्ध जनजातीय परंपराओं और खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा। चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने अवगत कराया कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत एथलेटिक्स, तीरंदाजी, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग, हॉकी, फुटबॉल और तैराकी सहित कुल 07 मुख्य खेलों की स्पर्धाएँ आयोजित की जाएँगी, वहीं 2 खेल डेमो स्वरूप प्रस्तुत किए जाएंगे। प्रस्तावित आयोजन के अनुसार सरगुजा संभाग में कुश्ती, तीरंदाजी एवं वेटलिफ्टिंग,रायपुर में हॉकी, फुटबॉल एवं तैराकी तथा बिलासपुर में एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्सङ्क2026 का उद्घाटन समारोह 14 फरवरी 2026 को रायपुर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री मांडविया को उद्घाटन समारोह में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। केंद्रीय मंत्री श्री मनसुख मांडविया ने छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के युवाओं में खेल प्रतिभा प्रचुर मात्रा में है और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में इस प्रकार के आयोजन खेलों के प्रति नए उत्साह और अवसर पैदा करेंगे। उन्होंने आयोजन की सभी तैयारियों में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स से आदिवासी अंचलों के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा तथा छत्तीसगढ़ खेल महाशक्ति के रूप में नई पहचान स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर श्री मनसुख मांडविया को ईएसआईसी अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इससे छत्तीसगढ़ के श्रमिकों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। उन्होंने राज्य में खेलों के आधारभूत ढाँचे के विकास, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण अवसरों के विस्तार तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में खेल मंत्रालय के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने देश में कार्यान्वित ऐतिहासिक लेबर कोड के लिए भी केंद्रीय मंत्री को बधाई देते हुए कहा कि इससे श्रमिक हितों की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा कवरेज और श्रम क्षेत्र में पारदर्शिता एवं सरलता को नई दिशा मिली है।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं सौरभ पिता किर्तन निवासी ग्राम कारूटोला पो.-कोठीटोला थाना-बागनदी तहसील लाल बहादुर नगर जिला-राजनांदगांव छ.ग. का निवासी हूं मेरे आधार कार्ड में नाम सौरब कुमार सोनवानी पिता कीर्तन लाल सोनवानी SOURAB KUMAR SONVANI S/O KIRTAN LAL SONVANI अंकित हैं जिसे परिवर्तन कर एवं अब मुझे मेरे नया नाम सौरभ SAURABH पिता किर्तन KIRTAN के नाम से जाना एवं पहचाना जावे।

सूचना जाने।

भवदीय
सौरभ

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं अजय वर्मा पिता कार्तिकराम वर्मा निवासी ग्राम गातापारकला पो.-गातापारकला थाना-ठेलकाडीह तहसील खैरागढ़ जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गंडई छ.ग. का निवासी हूं मेरी पुत्री के आधार कार्ड में नाम खूबशु वर्मा पिता अजय कार्तिकराम वर्मा KHUBSHU VERMA D/O AJAY KARTIKRAM VERMA अंकित हैं जिसे परिवर्तन कर एव अब मेरी पुत्री का नया पूरा नाम खूशबु वर्मा KHUSHBU VERMA पिता अजय वर्मा AJAY VERMA के नाम से जाना एव पहचाना जावे।

सूचना जाने।

भवदीय
अजय वर्मा

जैविक खेती की ओर किसानों का बढ़ता रुझान
प्राकृतिक खेती से कृषक दंपती को मिला लाभ

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 3 जनवरी। राज्य में रसायन मुक्त एवं जैविक खेती की ओर किसानों का रुझान निरंतर बढ़ रहा है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों से कृषकों को न केवल प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन मिल रहा है, बल्कि उनकी आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। प्राकृतिक खेती को अपनाकर राजनांदगांव जिले के ग्राम मोखला के कृषक दंपती श्रीमती मनभौतिन बाई निषाद एवं श्री माखन निषाद ने सफलता की नई मिसाल पेश की है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत वर्ष 2025 में राजनांदगांव विकासखंड के 150 हेक्टेयर क्षेत्र में कलस्टर विकसित कर किसानों को जैविक एवं रसायन मुक्त खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसी क्रम में ग्राम मोखला स्थित प्रगति महिला स्वसहायता समूह के कृषकों को जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत, दशपर्णी अर्क सहित अन्य प्राकृतिक उत्पादों के निर्माण एवं फसल की अवस्था अनुसार उनके उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में ग्राम मोखला निवासी 68 वर्षीय कृषक श्रीमती मनभौतिन बाई निषाद एवं उनके 72 वर्षीय पति श्री माखन निषाद ने भाग लिया। शिवनाथ नदी किनारे स्थित मोखला के निवासी इस कृषक दंपती के पास कुल 2.34 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें से 1.17 एकड़ स्वयं की तथा 1.17 एकड़ लीज पर ली गई भूमि है। पूर्व में वे धान एवं उद्यानिकी फसलों की खेती कर लगभग 50 से 60 हजार रुपये वार्षिक आय अर्जित कर रहे थे। श्रीमती मनभौतिन बाई निषाद ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अधिक उपयोग से स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को देखकर उन्होंने प्राकृतिक खेती अपनाने का निर्णय लिया। प्रारंभ में जानकारी के अभाव और उत्पादन कम होने की आशंका के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद रासायनिक खेती पर निर्भरता समाप्त हो गई।

उन्होंने बताया कि जहां रासायनिक खेती में प्रति एकड़ 20 से 22 हजार रुपये तक की लागत आती थी, वहीं प्राकृतिक खेती में जीवामृत, घनजीवामृत एवं नीमास्त्र जैसे उत्पाद घरेलू सामग्री से कम लागत में तैयार हो जाते हैं। देशी गाय का गोबर, गौमूत्र, मिट्टी एवं स्थानीय पत्तियों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ी है और लाभदायक सूक्ष्म जीवों की संख्या में वृद्धि हुई है।

प्राकृतिक खेती से उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और जैविक कृषि उत्पाद का बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त हो रहा है। व्यापारी अब सीधे खेत से उपज खरीद रहे हैं, जिससे कृषक दंपती की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। वर्ष 2025-26 रबी सीजन में वे सब्जियों के साथ तिवड़ा, मसूर एवं सरसों की खेती प्राकृतिक पद्धति से कर रहे हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद
तिल्दा-नेवरा जिला-रायपुर (छ.ग.)
क्रमांक/2171/न.पा./रा.वि./2025-26
तिल्दा-नेवरा, दिनांक 02/01/26

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा आम सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रामकुमार निषाद पिता श्री कार्तिक राम निषाद वार्ड क्र. 06 संतकंवर वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर निवासी द्वारा नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत श्री कोदूराम पिता श्री बिरझू निषाद वार्ड कं. 06 संतकंवर वार्ड तिल्दा नेवरा जिला रायपुर में भूमि/भवन का वसीयतनामा/मृत्युदावा एवं निम्न दस्तावेज संलग्न कर निकाय तिल्दा नेवरा में हकहस्तांतरण हेतु आवेदन पेश किया गया हैं।

उक्त शपथ पत्र के आधार पर भवन/भूमि वार्ड क्र. 06 में स्थित हैं नगर पालिका डिमांड पंजी में नाम दर्ज नहीं है। नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किये जाने की मांग किया गया हैं। उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस के अन्दर में दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 02/01/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
मुहर तिल्दा-नेवरा

कार्यालय नगर पालिका परिषद
तिल्दा-नेवरा जिला-रायपुर (छ.ग.)
क्रमांक/2173/न.पा./रा.वि./2025-26
तिल्दा-नेवरा, दिनांक 02/01/26

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा आम सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री मेहत्तर राम देवांगन पिता स्व. श्री घुरूवा राम देवांगन वार्ड क्रं. 18 बजरंग वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर निवासी द्वारा नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत श्री घुरूवा राम पिता श्री झालोराम देवांगन वार्ड कं. 18 बजरंग वार्ड तिल्दा नेवरा जिला रायपुर में भूमि/भवन का वसीयतनामा एवं निम्न दस्तावेज संलग्न कर निकाय तिल्दा नेवरा में हकहस्तांतरण हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त शपथ पत्र के आधार पर भवन/भूमि वार्ड क्र. 18 में स्थित है नगर पालिका डिमांड पंजी में नाम दर्ज नहीं है। नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किये जाने की मांग किया गया हैं। उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस के अन्दर में दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 02/01/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
मुहर तिल्दा-नेवरा

कार्यालय नगर पालिका परिषद
तिल्दा-नेवरा जिला-रायपुर (छ.ग.)
क्रमांक/2175/न.पा./रा.वि./2025-26
तिल्दा-नेवरा, दिनांक 02/01/26

ईश्तहार-सूचना

एतद् द्वारा आम सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रामनारायण गुप्ता पिता श्री मुंशी गुप्ता वार्ड क्रं. 21 मिशन वार्ड तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर निवासी द्वारा नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत विनीता मसीह पति श्री राजेन्द्र मसीह वार्ड क्रं. 21 मिशन वार्ड तिल्दा नेवरा जिला रायपुर में भूमि/भवन का वसीयतनामा एवं निम्न दस्तावेज संलग्न कर निकाय तिल्दा-नेवरा में हकहस्तांतरण हेतु आवेदन पेश किया गया हैं।

उक्त शपथ पत्र के आधार पर भवन/भूमि वार्ड क्र. 21 में स्थित हैं नगर पालिका डिमांड पंजी में नाम दर्ज नहीं है। नगर पालिका के कर अभिलेख में दर्ज किये जाने की मांग किया गया है। उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वह ईश्तहार/विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिवस के अन्दर में दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत अवधि बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 02/01/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं सील मोहर लगाकर जारी किया जाता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद
मुहर तिल्दा-नेवरा

छेरछेरा: माई कोठी के धान ला हेर हेरा

रायपुर,3 जनवरी। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक पर्वों में विशेष स्थान रखने वाला 'छेरछेरा' त्यौहार आज पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। पौष मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व 'दान' की महिमा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

आज सुबह से ही प्रदेश के गांवों और शहरों में बच्चों और युवाओं की टोलियां हाथ में झोला और टोकरी लेकर घर-घर पहुंच रही हैं। ÷छेरछेरा, माई कोठी के धान ला हेरते हेर÷ की गूंज के साथ लोग नए फसल के धान का दान कर रहे हैं। मान्यता है कि इस दिन दान करने से घर में अन्न और धन के भंडार साल भर भरे रहते हैं।

यह पर्व छत्तीसगढ़ की कृषि आधारित संस्कृति को दर्शाता है। फसल कटाई के बाद जब खलिहान से धान घर आ जाता है, तब किसान अपनी खुशी साझा करने के लिए यह पर्व मनाते हैं। इस दिन विशेष रूप से छत्तीसगढ़ी व्यंजन जैसे चीला, फरा और चौसेला बनाए जाते हैं।

छेरछेरा केवल एक त्यौहार नहीं, बल्कि ऊंच-नीच के भेदभाव को मिटाने का माध्यम है। इस दिन हर वर्ग के लोग एक-दूसरे के घर जाकर अन्न मांगते हैं, जो अहंकार को त्यागने और उदारता अपनाने का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने भी इस अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराओं को सहेजने का आह्वान किया है। शाम के समय कई स्थानों पर 'डंडा नृत्य' और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे पूरा प्रदेश उत्सव के माहौल में डूबा हुआ है।

मंत्री टंक राम ने मांगा छेरछेरा

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परम्पराओं में विशेष स्थान रखने वाले छेरछेरा तिहार के अवसर पर राज्य के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने धरसींवा विकासखंड के ग्राम तरपोंगी में पारंपरिक रूप से घर-घर जाकर अन्न दान ग्रहण किया। इस अवसर पर गांव में उत्साह, अपनत्व और लोक उल्लास का वातावरण देखने को मिला। मंत्री वर्मा ने छेरछेरा की परम्परा का निर्वहन करते हुए ग्रामीणों से आत्मीय भेंट की और अन्न दान स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि छेरछेरा तिहार छत्तीसगढ़ की आत्मा से जुड़ा पर्व है, जो समाज में समानता, सहयोग और दान की भावना को सशक्त करता है। यह लोक पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और सामाजिक समरसता का

संदेश देता है। मंत्री वर्मा ने कहा कि छेरछेरा केवल अन्न संग्रह का तिहार नहीं, बल्कि यह लोक संस्कृति, भाईचारे और मानवीय संवेदनाओं का उत्सव है। छत्तीसगढ़ की लोक परम्पराएं हमारी पहचान हैं और इन्हें संजोकर रखना हम सभी का दायित्व है। ऐसे पर्व समाज को जोड़ते हैं और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराते हैं। इस अवसर पर ग्रामीणों ने पारंपरिक उल्लास के साथ मंत्री का स्वागत किया। गांव में छेरछेरा तिहार की रौनक देखते ही बन रही थी। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने पूरे उत्साह के साथ इस लोक पर्व में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सीएम साय ने दी छेरछेरा पर्व की बधाई

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को छेरछेरा पर्व की बधाई दी. उनके आधिकारिक सोशल मीडिया एक्स अकाउंट से वीडियो पोस्ट किया गया. मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सब्बो भाई-बहिनी, महतारी अउ सियान-जवान मन ला जय जोहार. हमर छत्तीसगढ़ के लोक परब 'छेरछेरा' के गाड़ा-गाड़ा बधाई अउ सुभकामना. छेरछेरा ह, हमर संस्कृति म, दान-पुन के महापरब आय. छेरछेरा तिहार ह, हमन ला, दान-धरम अउ आपस म मिल के रहे के संदेश देथे. उन्होंने आगे कहा कि छेरछेरा तिहार सिखाथे के अन्न के दान सबसे बड़े दान आय. हमर किसान भाई, हमर अन्नदाता, जेकर मेहनत ले घर-घर मा अन्न पहुँचथे आज मैं हा, ओ मन ला, बिशेस रूप ले जोहार करत हौं. हमर सरकार किसान मन के खुशहाली बर काम करत हे. हमर सरकार धान खरीदी के सुचारू व्यवस्था, पारदर्शी प्रक्रिया अउ समय म भुगतान सुनिश्चित करके किसान मन के भलाई अउ सम्मान के लिए काम करत हे. छेरछेरा के पावन परब के, आप सब्बो झन ला फेर एक घांव गाड़ा- गाड़ा बधाई. सेवा जोहार. जय छत्तीसगढ़।

राज्य स्तरीय इंटर-सेक्टर क्रिकेट प्रतियोगिता: कोरबा एवं बलौदाबाजार की शानदार जीत

रायपुर 3 जनवरी। उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के तत्वावधान में राज्य स्तरीय विप्र ट्रॉफी इंटर-सेक्टर क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ मैच विप्र कॉलेज मैदान मे सरगुजा सेक्टर एवं कोरबा सेक्टर के बीच खेला गया। सरगुजा सेक्टर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। कोरबा के प्रभात ने 73 रन 48 गेंद में 11 चौके और चार चक्के की सहायता से एवं अभितोष 78 रन 50 गेद में 9 चौके और 5 छक्के की सहायता से दोनो की शानदार बल्लेबाजी से 20 ओवर में 185 रन बनाएं। जवाब में सरगुजा की टीम मात्र 125 रन में ऑल आउट हो गई। सरगुजा के जावेद ने 32 रन एवं दिनेश्वर ने 25 रन बनाए। कोरबा सेक्टर के अंशु ने 60 रन की जीत में घातक गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए । उन्हें मैन ऑफ़ द मैच से पुरस्कृत किया गया। दूसरा मैच बस्तर सेक्टर और बलौदा बाजार सेक्टर के बीच खेला गया । बस्तर सेक्टर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। बलौदाबाजार सेक्टर ने सत्यम के 49 बॉल में80 रन एवं कुणाल के 36 बाल में 61 रन की सहायता से 20 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 200 रन बनाएं। जवाब में बस्तर सेक्टर की टीम 145 रन में ऑल आउट हो गई और बलौदाबाजार ने 55 रन से जीत हासिल की। बलौदाबाजार के खुशहाल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए । उन्हें मैन ऑफ़ द मैच से पुरस्कृत किया गया। प्राचार्य डॉ.मेघेश तिवारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य ,विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे ।

एक नजर

एक मंत्री की निष्क्रियता को लेकर सवाल उठाना समाज के गौरव पर हमला नहीं: अजय साहू

रायपुर 3 जनवरी। बिलासपुर के लिंगियाडीह की सभा में डिप्टी सीएम अरुण साव की कार्यशैली को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान को जातिगत रंग देने के प्रयास की कड़ी निंदा करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महामंत्री डॉ. अजय साहू ने कहा है कि वर्तमान सरकार के एक जिम्मेदार उपमुख्यमंत्री जो पीडब्ल्यूडी विभाग के मंत्री भी हैं, उनके द्वारा किए जा रहे हैं दावे और बिलासपुर की राजनीति में उनकी सक्रियता की नौटंकी से जमीनी हकीकत बिल्कुल अलग है, इसी संदर्भ में प्रचलित बंदर की कहानी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुनाई, यह बयान किसी जाति, धर्म, संप्रदाय या संस्थान के खिलाफ कदापि नहीं है। मंत्री की अक्षमता छुपाने के लिए इस तरह से समाज का आड़ लेकर जवाबदेही से बचने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। जिस बिलासपुर में उप मुख्यमंत्री अरुण साव अपनी राजनीतिक सक्रियता दिखाते हैं, वहां गरीबों के सैकड़ो मकानो पर बुलडोजर चलाया जा रहा है, 40 दिन से जनता आंदोलित है, मंत्री को उस पर जवाब देना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महामंत्री डॉ. अजय साहू ने कहा है कि आरटीआई में प्राप्त जानकारी के अनुसार विगत 2 साल में छत्तीसगढ़ में केवल 950 मीटर सड़क ही बनी है, किसी भी मामले में कोई काम नहीं हो पा रहा है, सड़कों के रखरखाव और मरम्मत तक यह सरकार नहीं करवा पा रही है लेकिन विभागीय मंत्री और क्षेत्र के भाजपा नेता अरूण साव के द्वारा सक्रियता की नौटंकी बढ़-चढ़कर की जा रही है इसी संदर्भ में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि आपके विभाग में काम ठप्प पड़े हैं तो फिर दिखावे के उछल कूद का जनता को क्या लाभ? पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने पूरे भाषण में साहू समाज का नाम तक नहीं लिया, न ही अरुण साव को लेकर कोई अमर्यादित टिप्पणी की है, पूरा मामला राजनैतिक नौटंकी और विभागीय मंत्री के नाकामी का है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महामंत्री डॉ. अजय साहू ने कहा है कि भूपेश बघेल इस प्रदेश के विपक्ष के बड़े नेता हैं, पूर्व मुख्यमंत्री हैं, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हैं, वे साहू समाज सहित सभी समाज का समान रूप से सम्मान करते हैं।

माघ मेला: दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस का प्रयाग स्टेशन में ठहराव की सुविधा

रायपुर 3 जनवरी।रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में आयोजित होने वाले माघ मेला 2026 में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं एवं रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस का अस्थायी ठहराव उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के प्रयाग स्टेशन में 02 मिनट के लिए दिया जा गया है । दिनाँक 01 जनवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 तक दुर्ग से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 18205 दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस प्रयाग स्टेशन में ठहराव के साथ चल रही है। यह गाड़ी प्रयाग स्टेशन 11:18 बजे पहुंचेगी तथा 11:20 बजे रवाना होगी ।

वन संरक्षण के लिए वन विभाग सजग

रायपुर 3 जनवरी।राज्य में वन संरक्षण और वन्यजीव सुरक्षा के लिए वन विभाग लगातार कार्य कर रहा है। इसके बावजूद कहीं-कहीं वन एवं वन्यजीव अपराध, वनाग्नि तथा वन अतिक्रमण की घटनाएँ सामने आती हैं। इन पर प्रभावी नियंत्रण और वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वन मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा वन विभाग के अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें की जा रही हैं तथा आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं। वन मंत्री केदार कश्यप के नेतृत्व में तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अरुण कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार 02 जनवरी को सरगुजा वनमण्डल अंतर्गत लगभग 300 वन प्रबंधन समितियों की बैठकें आयोजित की गईं।

टामन सोनवानी समेत 13 आरोपियों के खिलाफ 400 पन्नों का चालान पेश

रायपुर,3 जनवरी। छत्तीसगढ़ लोक सेवा परीक्षा भर्ती घोटाले से मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने 13 आरोपियों के खिलाफ शुक्रवार को 4 सौ पन्नों का चालान पेश किया. जेल में बंद आरोपियों में तत्कालीन चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी, आरती वासनिक के अलावा उद्योगपति बजरंग पावर एंड इस्पात के तत्कालीन निदेशक श्रवण कुमार गोयल, पीएसपी चयनित बेटे शशांक गोयल, बहू भूमिका कटियार, साहिल सोनवानी भी शामिल हैं. उल्लेखनीय है कि इस वक्त मामले में 12 आरोपी जेल हैं जबकि उत्कर्ष चंद्राकर नामक एक आरोपी फरार है. जिसकी भूमिका परीक्षा में गड़बड़ी करने में रही है.

प्रकरण के मुताबिक 2021 में 171 पदों में भर्ती के लिए सीजीपीएससी द्वारा परीक्षा का आयोजन किया गया. प्री एग्जाम 13 फरवरी 2022 को कराया गया. जिसमें 2 हजार 565 उम्मीदवार उत्तीर्ण हुए. इसके बाद मेंस परीक्षा में 509 पास हुए. मई 2023 में इंटरव्यू के बाद 170 अभ्यर्थियों की सिलेक्शन लिस्ट जारी की गई. आरोप है कि इसमें तत्कालीन चेयरमैन सोनवानी के पांच रिश्तेदार बेटे नीतेश और बहू निशा कोसले का डिप्टी कलेक्टर, भाई की बहू दीपा अगजले का

जिला आबकारी अधिकारी, बहन की बेटी सुनीता जोशी का श्रम अधिकारी एवं बड़े भाई के बेटे साहिल सोनवानी का चयन डीएसपी के पद पर हुआ था.

इसके अलावा उद्योगपति श्रवण गोयल के पुत्र शशांक गोयल व बहू भूमिका कटियार डिप्टी कलेक्टर चुने गए थे. कुल डेढ़ दर्जन चयनित नामों को लेकर गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कोर्ट में याचिका दायर की गई थी. इसके बाद मामले की जांच के आदेश दिए गए. राज्य शासन ने प्रकरण को जांच के लिए सीबीआई को सौंपा था. चयनित उम्मीदवारों में पीएससी चेयरमैन के अलावा उद्योगपति, कांग्रेस नेताओं के परिवार से जुड़े लोग शामिल हैं.

पद्मश्री मदन चौहान को पत्नी शोक

रायपुर 3 जनवरी। प्रसिद्ध सूफी गायक पद्मश्री मदन सिंह चौहान की धर्म पत्नी श्रीमती सावित्री देवी चौहान का आकस्मिक निधन 2 जनवरी 2026 की रात्रि 9:15 बजे हो गया है। वें कुंदन चौहान की माता, नरेंद्र, महेंद्र, गुलाब चौहान की चाची तथा ऋषभ, जयंत की दादी थीं। उनकी अंतिम यात्रा आज उनके निवास स्थान पुराना दुर्गा चौक, गांधी चौक, राजातालाब से शंकर नगर मुक्तिधाम के लिए निकली जहां उनकी पार्थिव काया का अग्नि संस्कार किया गया। श्रीमती चौहान धार्मिक एवं सरल- सहज स्वभाव की थी। उनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में संगीत व गायन से नाता रखने वाले सहित गणमान्य नागरिक उपथित थे।

श्रीमती सावित्री देवी चौहान

स्टेट बॉडी बिल्डिंग और पॉवर लिफ्टिंग स्पर्धा आज-कल

रायपुर,3 जनवरी। जिला बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन और टी गोल्ड जिम के तत्वावधान में 3 और 4 जनवरी को स्टेट बॉडी बिल्डिंग और पॉवर लिफ्टिंग के साथ स्ट्रेंथ लिफ्टिंग की प्रतियोगिता बूढ़ेश्वर मंदिर भवन पुरानी बस्ती में रखा गया है. छत्तीसगढ़ बॉडी बिल्डिंग के महासचिव मानिक ताम्रकार और छग स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष शीतलेश पटेल ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्घाटन दक्षिण विधायक रायपुर के सुनील सोनी और पुरस्कार वितरण के मुख्य अतिथि रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल होंगे।

एसआईआर प्रक्रिया में भारी गड़बड़ी, निर्वाचन आयोग के मापदंडों की अनदेखी: शहर कांग्रेस

रायपुर 3 जनवरी। मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के बाद हो रही व्यावहारिक दिक्कत तो को लेकर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज की है उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर प्रक्रिया के अंतर्गत यह स्पष्ट रूप से कहा गया था कि प्रत्येक मतदान केंद्र में औसतन 1000 से 1200 मतदाता होंगे। लेकिन 23.12.2025 को जारी की गई प्रारंभिक मतदाता सूची और प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े इस दावे के बिल्कुल विपरीत तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। रायपुर शहर के अंतर्गत रायपुर ग्रामीण, रायपुर पश्चिम, रायपुर उत्तर एवं रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्रों की संख्या अचानक और असंगत रूप से बढ़ा दी गई है। उदाहरण के तौर पर रायपुर ग्रामीण में जहां पूर्व में 327 मतदान केंद्र थे, अब उनकी संख्या 491 कर दी गई है। इसी प्रकार रायपुर पश्चिम में 283 से बढ़ाकर 385, रायपुर उत्तर में 204 से बढ़ाकर 259 तथा रायपुर दक्षिण में 253 से बढ़ाकर 344 मतदान केंद्र कर दिए गए हैं। जब इन आंकड़ों का विश्लेषण किया जाता है तो यह स्पष्ट रूप से सामने आता है कि अधिकांश मतदान केंद्रों में औसतन केवल 500 से 600 मतदाता ही दर्ज हैं, वहीं कई बूथों पर यह संख्या 200 से 230 तक सिमट गई है। यह स्थिति न केवल निर्वाचन आयोग के अपने तय मानकों का उल्लंघन है, बल्कि एसआईआर प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियों की ओर भी इशारा करती है। मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद मतदान केंद्रों की संख्या में इस तरह परिवर्तन किए जाने से बीएलए को अपने अपने बूथ पर मतदाताओं का नाम खोजने, सत्यापन करने एवं संगठनात्मक कार्य करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

विधान सभा के कैलेण्डर एवं डायरी का विमोचन

रायपुर,3 जनवरी। विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने शंकर नगर स्थित ''स्पीकर हाऊस'' में आज छत्तीसगढ़ विधान सभा के वर्ष 2026 के कैलेण्डर एवं डायरी (दैनंदिनी) का विमोचन किया । इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, मंत्री खुशवंत साहेब,पूर्व विधान सभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे,एवं विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू ,विधान सभा के सचिव दिनेश शर्मा एवं.अध्यक्ष के सचिव विक्रम सिसोदिया विधान सभा भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के छत्तीसगढ़ विधान सभा अध्यक्ष के रूप में दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर ''डॉ. रमन सिंह अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्षीय कार्यकाल के दो वर्ष महत्वपूर्ण कार्य एवं उपलब्धियां'' शीर्षक से पुस्तक का विमोचन भी किया गया । विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की संकल्पना के अनुरूप छत्तीसगढ़ विधानसभा के कैलेण्डर एवं डायरी (दैनंदिनी) को नये स्वरूप में

प्रस्तुत किया गया है, जिसमें भारतीय संविधान की चित्रगाथा, छत्तीसगढ़ विधान सभा के ''रजत जयंती वर्ष'' पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का विधान सभा आगमन एवं . विधायकों को संबोधन, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नवा रायपुर (अटल नगर) स्थित नवीन विधान सभा भवन का लोकार्पण, नवीन विधान सभा परिसर में ''भारत रत्न'' एवं पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण, विधायकों एवं पत्रकारों के लिए प्रबोधन कार्यक्रम का आयोजन तथा छत्तीसगढ़ विधान सभा के अन्य विशिष्ट अवसरों के छायाचित्रों को समावेशित किया गया है। इस अवसर पर विधान सभा की 25 वर्षों की संसदीय यात्रा पर केंद्रित श्रीमती कीर्ति सिसोदिया द्वारा निर्मित एवं निर्देशित वृत्त चित्र का भी विमोचन किया गया।

निर्णय — नई शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए पाठ्यपुस्तक निगम प्रतिबद्ध

एनसीईआरटी मानकों के अनुरूप ही होगा पाठ्यपुस्तकों का मुद्रण

रायपुर,3 जनवरी। छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए पाठ्यपुस्तकों के मुद्रण सम्बन्धित सभी निर्णय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, एनसीईआरटी के मानकों तथा राज्य शासन एवं एससीईआरटी के निर्देशों के अनुरूप लिए गए हैं।

निगम द्वारा स्पष्ट किया गया कि कक्षा 1 से 8 तक की पुस्तकों का पाठ्यक्रम एनसीईआरटी आधारित है तथा एनसीईआरटी और एससीईआरटी के बीच हुए अनुबंध में आंतरिक पृष्ठों के मुद्रण हेतु 80 जीएसएम कागज के उपयोग का स्पष्ट प्रावधान है। इस अनुबंध में यह भी उल्लेख है कि पाठ्यपुस्तकों की प्रिंट क्वालिटी, दीर्घकालिक स्थायित्व और पठनीयता को बनाए रखने के लिए 80 जीएसएम टेक्स्ट पेपर तथा 220 जीएसएम कवर पेपर का उपयोग किया जाना चाहिए। इसलिए कक्षा 1 से 8 तक की पुस्तकों के लिए 80 जीएसएम और कक्षा 9 एवं 10 के लिए 70 जीएसएम कागज का उपयोग किया जा रहा है। यह निर्णय निगम स्तर पर अकेले नहीं लिया गया बल्कि अनुबंधीय प्रावधानों और शैक्षणिक मानकों के पालन में लिया गया है।

निगम के अधिकारियों ने यह भी बताया कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप कक्षा 1 से 8 तक विषयों की संख्या में वृद्धि की गई है। पूर्व सत्र में 134 विषयों के स्थान पर आगामी सत्र में 144 विषयों की पुस्तकों का मुद्रण प्रस्तावित है। कक्षा 4 एवं कक्षा 7 में विषय वृद्धि शासन तथा एससीईआरटी के निर्णय के आधार पर की गई है। विषयों की संख्या बढ़ने के कारण कागज की आवश्यकता में स्वाभाविक वृद्धि हुई है, किंतु यह वृद्धि योजनाबद्ध और अनुमोदित प्रक्रिया के माध्यम से ही की गई है।

निगम के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि गत वर्ष लगभग 265 लाख पाठ्यपुस्तकों के मुद्रण हेतु लगभग 11,000 मीट्रिक टन कागज का उपयोग किया गया था और आगामी शिक्षा सत्र 2026-27 में भी लगभग इतनी ही मात्रा में कागज की आवश्यकता का अनुमान है। अतः कागज की असामान्य वृद्धि संबंधी आकलन सही नहीं हैं।

छात्रों के बस्ते का वजन 14 प्रतिशत बढ़ने के दावों का खंडन करते हुए निगम ने कहा कि केवल कागज के जीएसएम में परिवर्तन के आधार पर प्रतिशत वृद्धि का अनुमान वास्तविकता पर आधारित नहीं है। कई कक्षाओं में डिजिटल शिक्षण-सामग्री, वर्षवार वितरण प्रणाली और विभिन्न शैक्षणिक उपायों से विद्यार्थियों के बस्ते के वजन को नियंत्रित रखा जा रहा है। इसलिए बस्ते का वजन उल्लेखनीय रूप से बढ़ने संबंधी आशंकाएँ निराधार हैं।

निगम के अधिकारियों ने कहा कि पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए निविदा प्रक्रिया में कठोर शर्तें लागू हैं। निविदाकर्ता कागज मिलों से जीएसटी विभाग के अधिकृत अधिकारी द्वारा जारी क्लीयरेंस सर्टिफिकेट तथा न्यूनतम 42,000 मीट्रिक टन प्रिंटिंग पेपर की आपूर्ति का प्रमाण अनिवार्य रूप से मांगा जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि केवल अनुभवी एवं सक्षम कंपनियाँ ही आपूर्ति में सहभागी हों तथा विद्यार्थियों तक उच्च गुणवत्ता वाली पुस्तकों की आपूर्ति हो।

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए पाठ्यपुस्तकों के मुद्रण से संबंधित सभी निर्णय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, एनसीईआरटी के मानकों तथा राज्य शासन एवं एससीईआरटी के निर्देशों के अनुरूप लिए जाते हैं। निगम ने बताया कि कक्षा 1 से 8 तक की पुस्तकों का पाठ्यक्रम एनसीईआरटी आधारित है तथा एनसीईआरटी, नई दिल्ली और एससीईआरटी रायपुर के मध्य 15 अक्टूबर 2025 को हुए अनुबंध के अनुसार आंतरिक पृष्ठों के लिए 80 जीएसएम कागज तथा आवरण के लिए 220 जीएसएम कवर पेपर के उपयोग का स्पष्ट प्रावधान है। अनुबंध की कंडिका-8 में यह भी उल्लेख है कि पाठ्यपुस्तकों की उत्पादन गुणवत्ता, मुद्रण, चित्रांकन एवं लेआउट एनसीईआरटी मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य है। निगम ने स्पष्ट किया कि शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए कागज क्रय एवं मुद्रण की कार्यवाही निगम की कार्यकारिणी द्वारा अनुमोदन उपरांत ही की जा रही है, जिसमें वित्त विभाग, आदिवासी विकास विभाग, लोक शिक्षा, समग्र शिक्षा, एससीईआरटी तथा शासकीय मुद्रणालय आदि के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में सम्मिलित हैं।

निगम ने जानकारी दी कि शिक्षा सत्र 2025-26 में लगभग 2 करोड़ 65 लाख निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों के मुद्रण हेतु 9300 मीट्रिक टन रील कागज क्रय किया गया था तथा पूर्व सत्र से शेष लगभग 1700 मीट्रिक टन कागज का भी उपयोग किया गया। इस प्रकार पिछले शिक्षा सत्र में वास्तविक रूप से लगभग 11000 मीट्रिक टन कागज का उपयोग किया गया था। इसी आधार पर शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए भी लगभग 11000 मीट्रिक टन 70 एवं 80 जीएसएम कागज के क्रय की प्रक्रिया निविदा के माध्यम से की जा रही है। निगम ने यह भी बताया कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप कक्षा 1 से 8 तक विषयों की संख्या में वृद्धि की गई है। पूर्व में 134 विषयों के स्थान पर शिक्षा सत्र 2026-27 में 144 विषयों की पुस्तकें मुद्रित की जाएंगी। कक्षा 4 और कक्षा 7 में विषयों की वृद्धि का निर्णय शासन एवं एससीईआरटी द्वारा लिया गया है, जिसके कारण स्वाभाविक रूप से पुस्तकों एवं कागज की आवश्यकता में वृद्धि हुई है। निगम ने यह स्पष्ट किया कि छात्रों के बस्ते के वजन में वृद्धि को केवल कागज के जीएसएम परिवर्तन से जोड़कर प्रस्तुत करना भ्रामक है, क्योंकि बस्ते का वजन मुख्यतः विषयों की संख्या, पुस्तकों के पृष्ठों की संख्या तथा पाठ्यक्रम की संरचना पर निर्भर करता है। निगम ने कहा कि पाठ्यक्रम एवं विषयों से संबंधित समस्त शैक्षणिक निर्णय एससीईआरटी एवं राज्य शासन स्तर पर लिए जाते हैं तथा छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम इन स्वीकृत पुस्तकों के मुद्रण एवं वितरण की जिम्मेदारी का निर्वहन करता है। कागज, वजन और व्यय में अनावश्यक वृद्धि के संबंध में किए जा रहे अतिरंजित दावे तथ्यहीन हैं और वास्तविक स्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करते। अभिभावकों एवं शिक्षकों को से अपील की गई है कि भ्रमोत्पादक जानकारियों पर विश्वास न करते हुए आधिकारिक तथ्यों पर भरोसा करें। निगम के अधिकारियों ने कहा कि विद्यार्थियों के हित सर्वोपरि हैं और नई शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता और नियमानुसार संचालित की जा रही है।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26